-: सुविचार :-

''लड़ाई लड़ने वाला तो विजय प्राप्त करता है परंतु दूर से देखने वाला तो सिर्फ तालियां बजाता रह जाता है।''

कलम लोक

Website : www.kalamlok.com

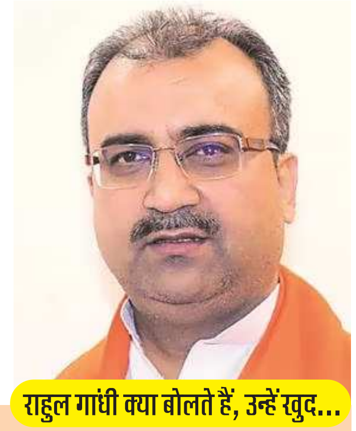

वर्ष 07 | अंक 348 | बक्सर, मंगलवार 02 जुलाई 2024 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली स्थित संसद भवन में 18वीं लोकसभा के चल रहे सत्र के दौरान बोलते हुए।

भारत ने विकसित किया दुनिया का सबसे खतरनाक विस्फोटक, चंद सेकंड में मचा देगा तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)।
भारत रक्षा क्षेत्र में लगातार नई उपब्धियां हासिल कर रहा है. इसके साथ ही भारत रक्षा उत्पादन में भी पड़ोसी देशों को पीछे छोड़ता जा रहा है. इस बीच भारत ने एक ऐसा विस्फोटक पदार्थ तैयार किया है जो ट्राइनाइट्रोटॉल्विन से दोगुना ज्यादा घातक है. जिसे सेबेक्स 2 नाम दिया गया है. जिसे दुनिया के सबसे ताकतवर गैर-परमाणु विस्फोटकों में से एक माना जा रहा है.

इस विस्फोटक के इस्तेमाल से बमों, आर्टिलरी शेल्स और वारहेड्स की क्षमता में कई गुना बढ़ा देगा. यही नहीं इस नए विस्फोटक का वजन भी काफी कम है. सेबेक्स-2 के फॉर्म्युलेशन को भारतीय नौसेना ने सोमवार को टेस्टिंग के बाद सर्टिफाई भी कर दिया है.

इस विस्फोटक की भारतीय नौसेना के डिफेंस एक्सपोर्ट प्रमोशन स्कीम के तहत टेस्टिंग की गई है. इस विस्फोटक के इस्तेमाल से वर्तमान हथियारों की क्षमता में कई गुना की बढ़ोतरी होगी. यही नहीं भारत द्वारा विकसित कि गए इस विस्फोट को दुनियाभर की सेनाएं इस्तेमाल करने के लिए आगे आएंगी. बता दें कि इस इस विस्फोटक को मेक इन इंडिया के तहत, इकॉनोमिक एक्सपलोसिव लिमिटेड ने विकसित किया है.

बता दें कि किसी विस्फोटक की क्षमता या उसकी ताकत को टीएनटी से तुलना कर आंकी जाती है. टीएनटी का मतलब ट्राइनाइट्रोटॉल्विन है जो दुनिया का सबसे लोकप्रिय और ताकतवर विस्फोटक है. एक ग्राम टीएनटी के विस्फोट में निकलने वाली ऊर्जा लगभग 4000 जूल के बराबर होती है. एक मीट्रिक टन यानी एक हजार किलोग्राम टीएनटी के धमाके से जितनी ऊर्जा निकलती है उसे टीएनटी समतुल्य यानी टीएनटी के बराबर माना जाता है. जो जितना टीएमटी समतुल्य होगा वह विस्फोटक उतना ही ज्यादा घातक होगा. बता दें कि भारत का तब तक का सबसे घाटक विस्फोटक ब्रह्मोस मिसाइल के वारहेड में लगाया जाने वाला है. जिसकी टीएनटी 1.50 समतुल्य है.

लागू हुए तीन नए कानून, तीन साल के भीतर न्याय, मॉब लिंचिंग के लिए भी प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम सोमवार से देश में लागू हो गए। गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस बदलाव से एक ऐसी प्रणाली स्थापित होगी जिससे तीन साल में किसी भी पीड़ित को न्याय मिल सकेगा। तीनों कानून संसद ने पिछले साल शीतकालीन सत्र में पारित किए थे। नए कानून देश में ब्रिटिश राज से चले आ रहे इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट की जगह आए हैं। नए कानून में बलात्कार के लिए धारा 375 और 376 की जगह धारा 63 होगी। सामूहिक बलात्कार की धारा 70 होगी। हत्या के लिए धारा 302 की जगह धारा 101 होगी। लोकसभा ने इन तीनों विधेयकों को 20 दिसंबर और राज्यसभा ने 21 दिसंबर को पारित किया था। भारतीय न्याय संहिता, 2023 में 21 नए अपराधों को जोड़ा गया है। इसमें एक नया अपराध मॉब लिंचिंग का भी है। इसके अलावा 41 विभिन्न अपराधों में सजा बढ़ाई गई है, 82 अपराधों में जुर्माना बढ़ा है, 25 अपराध ऐसे हैं जिनमें न्यूनतम सजा की शुरुआत की गई है। छह अपराधों में सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में स्वीकार किया गया है और 19 धाराओं को निरस्त किया गया है। इसी तरह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के अंतर्गत 170 धाराएं होंगी। कुल 24 धाराओं में बदलाव किया है। नई धाराएं और उपाधाराए जोड़ी गई हैं।

सरकार का मानना है कि नए कानून लागू होने से न्याय जल्दी मिलेगा और तय समय के अंदर चार्जशीट फाइल हो सकेगी। साक्ष्य जुटाने के लिए 900 फॉरेंसिक वैन देशभर के 850 पुलिस थानों के साथ जोड़ी जा रही हैं। गरीबों के लिए न्याय महंगा नहीं होगा।

गृह मंत्रालय के मुताबिक नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 में नौ नए सेक्शन और 39 नए सब सेक्शन जोड़े गए हैं। इसके अलावा 44 नई व्याख्याएं और स्पष्टीकरण जोड़े हैं और 14 धाराओं को निरस्त किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ये विधेयक संसद में रखे थे, जिन्हें ध्वनिमत से पारित किया गया। पिछले साल 25 दिसंबर को राष्ट्रपति ने इन्हें मंजूरी दी थी।

विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा था कि विधेयक का उद्देश्य दंड देना नहीं है, इसका उद्देश्य न्याय देना है। उन्होंने कहा था कि इन विधेयकों की आत्मा भारतीय है। व्यास, बृहस्पति, कात्यायन, चाणक्य, वात्स्यायन, देवनाथ ठाकुर, जयंत भट्ट, रघुनाथ शिरोमणि अनेक लोगों ने जो न्याय का सिद्धांत दिया है उसको इसमें उतारा गया है। सरकार का मानना है कि यह कानून स्वराज की और बड़ा कदम है। गृह मंत्री ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा था कि गांधी जी ने शासन परिवर्तन की लड़ाई नहीं लड़ी, उन्होंने स्वराज की लड़ाई लड़ी थी। ये कानून लागू होने से तारीख पर तारीख का जमाना चला जाएगा। तीन साल में किसी भी पीड़ित को न्याय मिल जाए ऐसी न्याय प्रणाली इस देश के अंदर प्रतिस्थापित होगी। उन्होंने कहा कि इस बिल में इतनी दूरदर्शिता रखी गई है कि आज मौजूद सारी तकनीक से लेकर आने वाले सौ वर्षों की तकनीक, सभी को सिर्फ नियमों में परिवर्तन करके समाहित किया जा सकेगा। इसमें राजद्रोह कानून के अंग्रेजी प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है। सरकार के खिलाफ कोई भी बोल सकता है, लेकिन देश के खिलाफ अब नहीं बोल सकते हैं। देश के खिलाफ बोलने या साजिश करने पर सजा का प्रावधान किया गया है।

दिल्ली में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, अगले 2 दिन भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बारिश का क्रम शुरू हो गया है। यहां अलग-अलग इलाकों में अगले 7 दिन तक लगातार रुक-रुककर बारिश की संभावना जताई गई है ।इस बीच भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली में 2-3 जून को भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इससे पहले रविवार को दिल्ली में 9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी ।बारिश के बाद से राष्ट्रीय राजधानी के तापमान में 4 से 5 डिग्री की गिरावट आई है।

दिल्ली में शुक्रवार को 24 घंटे में हुई 228.1 मिलीमीटर बारिश ने 88 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। बारिश 27 जून को सुबह 8:30 बजे से 28 जून सुबह 8:30 बजे के बीच दर्ज की गई थी ।इस दौरान सबसे अधिक बारिश सुबह 5:30 बजे से 8:30 बजे हुई थी ।इससे पहले 1936 में 28 जून को 235.5 मिलीमीटर बारिश हुई थी। आमतौर पर दिल्ली में जून के महीने में औसतन 80.6 मिलीमीटर ही बारिश होती है।

आईएमडी के मुताबिक, मानसून अब उत्तर भारत के राज्यों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यहां मानसून पूर्व-बारिश शुरू हो गई है, अगले 2 से 3 दिन में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा ।मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि अगले 4 से 5 दिन में पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी ।हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में 3 जुलाई तक भारी बारिश होगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने बताए नए आपराधिक कानूनों के फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में आज से 3 नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। इस संबंध में गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कानूनों के बारे में और विस्तृत जानकारी दी ।उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक कानून का दौर अब खत्म हो गया है, देश में दंड की जगह न्याय मिलेगा और देरी की जगह त्वरित सुनवाई होगी ।उन्होंने जनता को बधाई देते हुए कहा कि आजादी के 77 साल बाद आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी हो रही है।

शाह ने कहा, तीनों नए कानून मध्य रात्रि से काम कर रहे हैं। भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता आ चुकी है। सबसे पहले हमने इसमें संविधान की आत्मा के तहत दफाओं और अध्यायों की प्राथमिकता तय की है। मॉब लिचिंग के लिए कानून में कोई प्रावधान नहीं था, नए कानून में मॉब लिचिंग को समझाया गया। राजद्रोह ऐसा कानून था, जो अंग्रेजों ने अपनी सुरक्षा के लिए बनाया था। इसे हमने खत्म कर दिया।

हमास ने जारी किया विस्फोटक तैयार करते सदस्यों का वीडियो

गाजा (एजेंसी)।

इस्लामिक रेजिस्टेंस मूवमेंट (हमास) की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उसके सदस्य गाजा पट्टी के शहरों में घुसने वाले इजरायली सैन्य वाहनों के खिलाफ इस्तेमाल के लिए विस्फोटक डिवाइस तैयार करते दिख रहे हैं। चालीस सेकंड के इस वीडियो में समूह के सदस्य डिवाइस को पेंट करते और उन्हें पोर्टेबल बैग में रखते हुए दिख रहे हैं। ये बैग काले कपड़े से ढके हुए हैं जिस पर लिखा है- जो मेरी मौत चाहता है, वह मृगतृष्णा ... और (ऑपरेशन) अल-अक्सा फ्लड का पीछा कर रहा है।

अल-क़स्साम ने पिछले अक्टूबर से गाजा में इजरायली सेना के साथ चल रहे युद्ध के दौरान पहली बार फिदायीन ऑपरेशन डिवाइस के इस्तेमाल की घोषणा की है।

वीडियो जारी होने से पहले अल-क़स्साम और इस्लामिक जिहाद आंदोलन की सैन्य शाखा अल-कुद्स ब्रिगेड ने रविवार को पूर्वी गाजा शहर के शुजैया मोहल्ले और शहर के दक्षिण में ताल अल-हवा मोहल्ले में इजरायली वाहनों और सैनिकों को निशाना बनाने का दावा किया था। अल-क़स्साम ने एक बयान में कहा कि उसके सदस्यों ने ताल अल-हवा के दक्षिण में यासिन 105 रॉकेट से एक इजरायली नामर एपीसी (सैनिकों को ले जाने वाले बख्तरबंद वाहन) को नष्ट कर दिया, जिसमें उसके चालक दल के सदस्य हताहत हुए हैं। अल-कुद्स ब्रिगेड ने एक अलग बयान जारी कर दावा किया कि उसके सदस्यों ने ताल अल-हवा में शेजारेट एपीसी और एक डी9 सैन्य बुलडोजर को भी निशाना बनाया। एक अन्य प्रेस विज्ञप्ति में उसने कहा कि इसके सदस्यों ने शुजैया में इजरायली सैनिकों पर मोर्टार से हमला किया।

दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में उत्तर कोरिया ने दागे दो बैलिस्टिक मिसाइल

सोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने सोमवार को पूर्व की दिशा में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। कहा गया है कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में ये कार्रवाई की गई है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि दक्षिण ह्वांगहे प्रांत के जंगयोन क्षेत्र से सोमवार सुबह करीब 5:05 बजे उत्तर-पूर्वी दिशा में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। इसके तुरंत बाद सुबह करीब 5.15 बजे एक और बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। पहली मिसाइल छोटी दूरी क्र थी।

जेसीएस ने मीडिया को बताया, हमारी सेना उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल डेटा को अमेरिका और जापानी अधिकारियों के साथ साझा करेगी, हम स्थिति पर नजर बनाये हुए हैं। इससे पहले उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के सैन्य अभ्यास की निंदा करते हुए कहा था कि देश इसके खिलाफ आक्रामक और भारी जवाबी कार्रवाई करेगा।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान का संयुक्त अभ्यास शनिवार को समाप्त हुआ, इसमें लड़ाकू जेट और युद्धपोत शामिल थे। एक अमेरिकी विमानवाहक पोत भी शामिल था। इससे पहले उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागे थे। उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसने कई मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, लेकिन दक्षिण कोरिया ने इस दावे को धोखा बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा कि प्रक्षेपण विफल हो गया क्योंकि मिसाइल हवा में ही फट गई। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पिछले महीने प्योंगयांग में एक शिखर सम्मेलन के दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

नाबालिग आरोपी की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी पुणे पुलिस

पुणे (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के पुणे पोर्शे हादसा मामले में कार से कथित तौर पर 2 लोगों को टक्कर मारने वाले 17 वर्षीय नाबालिग आरोपी की रिहाई के खिलाफ पुणे पुलिस अब सुप्रीम कोर्ट जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे पुलिस ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ जाने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से मंजूरी मांगी थी, जो उसे मिल गई है ।बता दें कि नाबालिग आरोपी की रिहाई के बाद सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई थी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 25 जून को निर्देश दिया कि नाबालिग आरोपी को रिहा किया जाए। साथ ही कोर्ट ने कहा कि किशोर न्याय बोर्ड द्वारा उसे सुधार गृह भेजने का आदेश अवैध है। उन्होंने किशोरों से संबंधित कानून का पूरी तरह से पालन करने को कहा था। कोर्ट के आदेश के बाद नाबालिग आरोपी को सुधार गृह से निकालकर मौसी के सुपुर्द किया गया।

न्यू क्रिमिनल लॉ से कांग्रेस को आपत्ति, बताया जबरदस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में 1 जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं. इसको लेकर सियासी हलचलें तेज हो गई हैं. इस नए कानून को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन समेत अन्य नेताओं के बयान सामने आ रहे हैं. कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह कानून जबरदस्त लागू किया गया है. उन्होंने कहा कि सांसदों को जानबूझकर निलंबित कर इस कानून को पास कराया गया है. उन्होंने कहा कि इस तरह के कानून को चलने नहीं देंगे. खड़गे ने कहा कि सांसदों की ओर से संसद में इस कानून को लेकर विरोध जताए जाने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था. इसके बाद सरकार ने इस कानून को पास करवा लिया.

देश में 1 जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं. इसको लेकर सियासी हलचलें तेज हो गई हैं. इस नए कानून को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन समेत अन्य नेताओं के बयान सामने आ रहे हैं. कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह कानून जबरदस्त लागू किया गया है. उन्होंने कहा कि सांसदों को जानबूझकर निलंबित कर इस कानून को पास कराया गया है. उन्होंने कहा कि इस तरह के कानून को चलने नहीं देंगे. खड़गे ने कहा कि सांसदों की ओर से संसद में इस कानून को लेकर विरोध जताए जाने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था. इसके बाद सरकार ने इस कानून को पास करवा लिया.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में लागू तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर एतराज जताया है. उनका कहना है कि इन कानूनों को लागू करने से पहले आम सहमति नहीं बनी है. यही नहीं उन्होंने आरोप भी लगाया कि जब इन कानूनों को लेकर संसद में विरोध जताया है गया उन सांसदों को जानबूझकर निलंबित कर इसे पारित किया गया है. खरगे का कहना है कि कांग्रेस का इसका पूरजोर विरोध करती है और इसकी समीक्षा की मांग करती है.

वहीं कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने नए कानूनों को लागू किए जाने का विरोध जताया है.उन्होंने तुरंत इन कानूनों को रोकने की मांग की है. यही नहीं इसके साथ ही उन्होंने संसद में स्थगन प्रस्ताव नोटिस भी दिया है. उन्होंने कहा कि नए कानून देश वेलफेयर स्टेट से पुलिस स्टेट को बढ़ावा देंगे. इन कानूनों को लेकर संसद में एक बार फिर चर्चा होना चाहिए.

भारत में 1 जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो रहे हैं. इनमें भारतीय साक्ष्य अधिनियम, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय न्याय संहिता प्रमुख रूप से शामिल हैं. इन कानूनों के लागू होने के साथ ही देश में बीते 163 वर्ष से चल रहे आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट को खत्म कर दिया गया है. नए क्रिमिनल लॉ को लाने का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे खतरनाक अपराधों में सजा को और ज्यादा सख्त बनाना है.

सभी सांसद संविधान में दिए गए प्रारूप के अनुसार ही लें संसद सदस्यता की शपथ: लोकसभा स्पीकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद सदस्यता की शपथ लेते समय कई नवनिर्वाचित सांसदों द्वारा नारेबाजी और अलग-अलग शब्दों का प्रयोग करने के कारण हाल के दिनों में कई बार विवाद खड़ा हो गया था। इन विवादों को खत्म करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में यह व्यवस्था दे दी है कि सभी सांसद संविधान में दिए गए प्रारूप के अनुसार ही संसद सदस्यता की शपथ लें।

उन्होंने भविष्य में शपथ के दौरान सांसदों द्वारा कोई अतिरिक्त शब्दों या नारों का उल्लेख नहीं करने की हिदायत देते हुए इस संबंध में सभी दलों के सांसदों को शामिल कर, एक संसदीय समिति का भी गठन करने की जानकारी दी। ओम बिरला ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सदस्यों के शपथ के लिए संविधान में प्रारूप दिया गया है और उसी प्रारूप के अनुसार ही शपथ ग्रहण करना सदस्यों का संवैधानिक दायित्व है। शपथ की अपनी एक शुचिता, मर्यादा और गरिमा है। अतिरिक्त शब्दों और वाक्यों के उल्लेख से संविधान की गरिमा प्रभावित होती है। संसद सदस्य के रूप में हमारा दायित्व है कि हमारे आचरण से संविधान की गरिमा में कमी न हो। यह सदन के लिए चिंता का विषय है।

उन्होंने व्यवस्था दी कि सभी सदस्य संविधान में दिए गए प्रारूप के अनुसार ही शपथ लेंगे। भविष्य में शपथ लेने के दौरान किसी भी प्रकार के अतिरिक्त शब्दों का उल्लेख नहीं करने की हिदायत देते हुए उन्होंने पूरे सदन से संकल्प लेने का आह्वान भी किया। लोकसभा अध्यक्ष ने आगे बताया कि इस संबंध में सभी दलों के सांसदों को शामिल करते हुए संसदीय समिति का भी गठन किया जाएगा।

शेखपुरा में एक्सिस बैंक से 10 मिनट में 28 लाख की लूट, ग्राहक बन आए थे लुटेरे

शेखपुरा (संवाददाता)। आज देश भर में नया तीन नए अपराध कानून लागू हुए हैं। पहले ही दिन बिहार के शेखपुरा बैंक लूट की बड़ी वारदात तो बदमाशों ने अंजाम दे दिया। जिले में स्थित एक्सिस बैंक की एक शाखा से हथियारबंद अपराधियों ने दिन दहाड़े 28 लख रुपए लूट लिए हैं। घटना बरबीघा के श्रीकृष्ण सिंह शाखा में करीब 10.30 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक कम से कम 6 की संख्या में बदमाश ग्राहक बनकर बैंक में आए और कर्मियों को हथियार का भय दिखा कर बंधक बना लिया। उसके बाद 28 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। बैंक के सीसीटीवी में उनकी करतूत कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि बैंक खुलते ही करीब 6 की संख्या में अपराधी शाखा के भीतर घुस गए। सभी बदमाश ग्राहक बनकर आए थे। बैंक का का बिजनेश समय से शुरू हुआ। अचानक अपराधियों ने अपने हथियार निकाल लिए और वहां मौजूद कर्मियों और ग्राहकों पर तान दिया। बैंक में मौजूद सभी ग्राहक और कर्मी डर गए। विरोध करने पर बदमाशों ने बैंक के मैनेजर के साथ मारपीट की और बंदूक की नोक पर अपराधियों ने सभी

कर्मियों को बाथरूम में बंद कर दिया। उन्होंने सभी कर्मियों और ग्राहकों के मोबाइल भी छीन लिए और बैंक में मौजूद करीब 28 लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए।

बैंक कर्मियों से सूचना मिलने के बाद शेखपुरा पुलिस बैंक में पहुंची। बरबीघा थानाध्यक्ष वैभव कुमार, मिशन ओपी प्रभारी बालमुकुंद राय और एसपी बलिराम चौधरी आनन फान में घना स्थल पर पहुंचे। पुलिस छानबीन में जुट गई है। बैंक के कर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों से पुलिस घटना को लेकर जानकारी जुटा रही है। इसके अलावे जिले के सभी थाना पुलिस अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस ने सड़कों पर वाहन जांच शुरू कर दिया है। शेखपुरा पुलिस ने कहा है कि संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी भीकी जा रही है। बैंक के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। लूटेरों को चिन्हित करना पहली प्राथमिकता है। दिन दहाड़े लूट की घटना को लेकर शेखपुरा एसपी बलिराम चौधरी ने बताया कि एक्सिस बैंक की बरबीघा चौक स्थित ब्रांच से 28 से तीस लाख के बीच कैश की लूट हुई है। लूटपाट की घटना बैंक के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो चुकी है। पुलिस बदमाशों की पहचान में जुट गई है। पुलिस ने लूटेरों की धर पकड़ के लिए काम शुरू कर दिया है।

इस बीच बैंक में पहुंचे एक ग्राहक ने बताया कि वह रुपए जमा करने आए थे। बदमाशों ने उनके माथे पर पिस्तौल सटा दिया और 20 हजार छीन लिए। उन्होंने बताया कि चार अपराधियों ने हैलमेट लगाया था और दो ने मुंह पर मास्क लगा रखा था। बताया जाता है कि बदमाशों ने करीब दस ग्राहकों से भी रुपए लूट लिए जो बैंक में जमा कराने आए थे। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ज्ञान चौधरी ने बताया कि बदमाशों ने उनके माथे पर पिस्टल सटा दिया और 41 हजार नगद छीन लिए। वे बैंक में जमा कराने आए थे। लुटेरों ने सभी को बाथरूम मे बंद कर दिया था।

खबर-खास

पति की हत्या करने आए थे बदमाश, सोती पत्नी को मारकर चले गए

बेगूसराय (संवाददाता)। बेगूसराय में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जब बदमाश एक शख्स की हत्या करने पहुंचे थे। लेकिन उसकी पत्नी का मर्डर करके भाग गए। दरअसल घर के बाहर सो रही महिला को बदमाश दिनेश समझ बैठे थे। जिसे मारने के इरादे से पहुंचे थे। कई दिनों से उसकी रेकी कर रहे थे। दिनेश घर के बाहर सोता था। लेकिन घटना के दिन उसकी पत्नी इंदु देवी सो गई। और बदमाशों ने उसे दिनेश समझककर गोली मार दी। और फिर फरार हो गए।

घटना थाना क्षेत्र के समसा-दो पंचायत के कस्टोली गांव के वार्ड संख्या 5 की बतायी जा रही है। मृतक महिला की पहचान दिनेश कुमार महतो की 40 वर्षीया पत्नी इंदु देवी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अपराधी को यह पहले से जानकारी थी कि इंदु देवी का पति दिनेश घर के बाहर बरामदे में ही रोज सोता है। और हत्या का मकसद भी उसी का था। लेकिन रात में बिछावन पर अधिक गर्मी रहने के कारण दिनेश की पत्नी इंदु देवी की बाहर बरामदे में सो गई। और उसका पति घर के अंदर। इंदु कपड़े से मुंह ढक कर सो गयी थी। अपराधी रात करीब एक बजे हथियार के साथ आया और दिनेश कुमार महतो को ही घर के बाहर में सोया हुआ समझ कर उसके सिर में एक गोली मार कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी। और फरार हो गया। हत्या की इस घटना से सनसनी फैल गई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। और फरार बदमाश की तलाश में जुट गई है। हालांकि दिनेश महतो की हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। लेकिन महिला की हत्या से पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ।

दिसंबर में लगेगा बिहार में तगड़ा जमघट, निवेशक करेंगे करोडों रुपये इन्वेस्ट

पटना (संवाददाता)। बिहार इस साल दिसंबर में एक विशाल निवेशक सम्मेलन में घरेलू और विदेशी निवेशकों का 'लाल कालीन' बिछाकर स्वागत करने के लिए तैयार है। इस सम्मेलन के जरिये बिहार का इरादा कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) जैसे क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना है। इससे न केवल रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि राज्य में कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा।

निवेशक सम्मेलन का 2023 का संस्करण काफी सफल रहा था। अब राज्य 11 और 12 दिसंबर को पटना में दो दिन के 'बिहार बिजनेस कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। इससे पहले राज्य विभिन्न शहरों में इस कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए रोड शो का आयोजन करेगा। रोड शो की शुरुआत सोमवार से कोलकाता में होगी।

बिहार के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, "राज्य के पास रणनीतिक स्थानिक लाभ है। बिहार के माध्यम से हम पूरे पूर्वोत्तर, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान को सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। सड़कों के मामले में संपर्क अब काफी बेहतर है। अब हमारे पास परिचालन वाले तीन हवाई अड्डे गया, पटना और दरभंगा हैं।" उन्होंने कहा कि जमीन से घिरा राज्य होने के नाते बिहार माल को निकटतम बंदरगाह तक ले जाने की लागत वहन करने के लिए निर्यात सब्सिडी दे रहा है। कुल मिलाकर एक बेहद प्रगतिशील औद्योगिक नीति के साथ यह राज्य को एक आदर्श निवेश गंतव्य बनाता है।

स्मार्ट मीटर लगते ही आया 64 लाख का बिल, महिला का भी चकरा गया सिर, बिजली विभाग से लगाई गुहार

भागलपुर (संवाददाता)। भागलपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड में बिजली विभाग का कारनामा सामने आया है। जब योगीवीर गांव में स्मार्ट मीटर लगाने के दूसरे दिन ही उपभोक्ता को 64 लाख का बिल आ गया। इसके बाद उपभोक्ता ने परेशान होकर विभाग को आवेदन देकर सुनवाई की मांग की है। उपभोक्ता नेहा कुमारी ने बताया कि मीटर रीडर द्वारा 28 जून को पुराना मीटर बदलकर नया स्मार्ट मीटर लगाया गया। 29 जून को जैसे ही मीटर एक्टीवेट हुआ 64 लाख का बिल आ गया।

इसके बाद महिला काफी परेशान हो गयी। जब मीटर रीडर को बताया तो उसने कहा कि पांच दिन तक कुछ नहीं होगा। इसके बाद वह काफी परेशान हो गयी। मैंने विभाग को आवेदन देकर

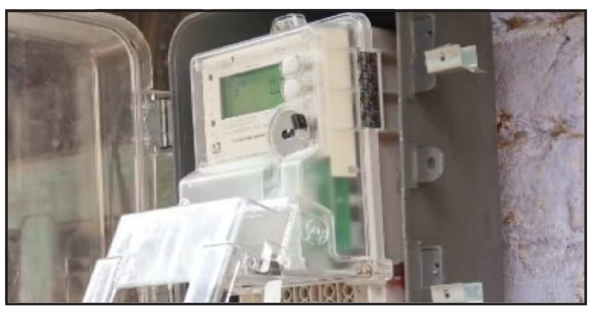

उचित कार्रवाई करने की गुहार लगायी है। बिजली विभाग के कनीय अभियंता कनीय अभियंता संतोष कुमार ने बताया कि उपभोक्ता का मीटर रीडिंग की जांच कर उसमें सुधार किया जायेगा। इससे पहले भी स्मार्ट मीटर को लेकर कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं। लोग शिकायत कर चुके हैं कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली का बिल दोगुना आ रहा है। आपको बता दें बिहार के शहरों से लेकर गांवों में भी स्मार्ट मीटर लगने का काम जारी है। बात अगर पटना की करें तो पटना अंचल के ग्रामीण बिजली आपूर्ति प्रमंडल के नेऊरा सेक्शन से स्मार्ट मीटर लगने का काम जारी है। पटना अंचल के पांच आपूर्ति प्रमंडलों में 4 लाख 33 हजार स्मार्ट मीटर लगना है। बिजली कंपनी मीटर लगाने का जिम्मा इसबार नई कंपनी को दिया है। कंपनी इस साल के सितम्बर तक पटना अंचल के सभी आपूर्ति प्रमंडलों के ग्रामीण इलाके में स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य तय किया है। ग्रामीण वासियों को स्मार्ट मीटर रिचार्ज करने में परेशानी नहीं हो, इसे लेकर जगह-जगह स्मार्ट काउंटर की सुविधाएं बहाल होंगी। चयनित एजेंसी ओरेंज पे काउंटर की सुविधा देगी। काउंटर पर रिचार्ज के साथ लोगों को बैलेंस की जानकारी निश्शुल्क मिलेगी।

रिचार्ज के लिए अतिरिक्त शुल्क नहीं लिए जाएंगे। एजेंसी के कर्मी इसके अलावा घर-घर जाकर रिचार्ज करेंगे। बिजली कंपनी के काउंटर पर स्थाई सुविधा रहेगी। इसके अलावा बिहार बिजली स्मार्ट मीटर एप के साथ गूगल पे और फोन पे के जरिये लोग रिचार्ज कर सकेंगे। हालांकि कहीं-कहीं स्मार्ट मीटर लगने के बाद से ज्यादा बिल की समस्याएं जरूर सामने आ रही हैं।

राहुल गांधी क्या बोलते हैं, उन्हें खुद नहीं पता होता

हिंदू वाले बयान पर भड़के नीतीश के मंत्री मंगल पांडेय

पटना (संवाददाता)। सूबे के स्वास्थ्य और कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'हिन्दू समाज हिंसक होते हैं' वाले बयान की निंदा की है। सोमवार को जारी बयान में भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर संसद में उनका संबोधन न सिर्फ गैरजिम्मेदाराना और संविधान के खिलाफ है, बल्कि पूरे देश के हिन्दुओं का अपमान है। इसके लिए उन्हें देश और हिन्दू समाज से माफी मांगनी चाहिए।

मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि इस तरह की बात करना विपक्ष के नेता को शोभा नहीं देता है। एक ओर भगवान शिव की फोटो दिखा अपने को हिन्दू बता उनके रास्ते पर चलने की बात करते हैं, वहीं भाजपा और आरएसएस के लोग हिन्दू नहीं हैं, जैसी बात कर देश के सवा सौ करोड़ जनता को अपमानित करते हैं। देश की जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उनका संबोधन संविधान के नियम के विपरीत था। आसन के समक्ष उनके भड़काऊ संबोधन से ऐसे लगता है कि उन्हें अभी संसदीय प्रणाली का पूरा ज्ञान नहीं हुआ है। वे क्या बोलेंगे उनको खुद पता नहीं रहता है और न ही राहुल गांधी इसकी तैयारी करके आते हैं। आखिर राहुल गांधी बार-बार हिन्दू समाज की खामियां क्यों गिनाते हैं। राहुल साबित कर चुके हैं कि उनके दिल में हिन्दू धर्म के प्रति नफरत है।

मोबाइल पर बात करने से पति रोकता था, पत्नी ने सोते वक्त उड़ेल दिया खौलता तेल

बांका (संवाददाता)। बिहार के बांका जिले में मोबाइल पर बात करने से रोकने पर गुस्साई पति ने सोते समय पति मो. राजदूत पर खौलता तेल उड़ेल दिया। और फिर घर से फरार हो गई। गंभीर हालत में झुलसे पति को परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। बौसी थाना क्षेत्र के काजी कैरी गांव का है। जख्मी काजी कैरी निवासी मो. राजदूत का इलाज किया जा रहा है। फिलहाल वह खतरे से बाहर है। घटना रविवार रात की बताई जा रही है। जब महिला का पति सो रहा था, तभी वह घटना को अंजाम देकर फरार हो गई।

पीड़ित पति ने सोमवार को इस संबंध में बौसी थाना पहुंचकर अपनी ही पत्नी के विरुद्ध एक प्राथमिक की दर्ज कराई है। पीड़ित पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी शबनम खातून पूरे दिन मोबाइल पर किसी दूसरे युवक से बात करती थी। और ऐसा करने से वो मन करता था और इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा होता था। रविवार की रात पति के सोने पर पत्नी शबनम खातून ने मौका देखकर गर्म खौलता तेल उसके चेहरे एवं शरीर पर छिड़ककर झुलसा दिया। इसके बाद घर से अपने मायके चली गई। पीड़ित युवक को पांच पुत्री और दो पुत्र हैं। अपने बेटे पर पुतोहू द्वारा तेल छिड़कने पर मां हमीदा खातून समेत अन्य परिजन काफी चिंतित हैं। मां ,पिता, पुत्री सहित अन्य स्वजन थाना पहुंचकर महिला पर कारवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

21 महीने बाद मुरेठा खोलेंगे सम्राट चौधरी; आज जाएंगे अयोध्या, कौन सी शपथ रह गई अधूरी?

पटना (संवाददाता)। बिहार के उपमुख्यमंत्री और बिहार बीजेपी के अध्यक्ष करीब 21 महीने बाद अपना मुरेठा (पगड़ी) खोलेंगे। आज यानी 2 जुलाई को वो अयोध्या जाएंगे। और वहीं बुधवार को मुंडन करा अपना मुरेठा (पगड़ी) भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पित करेंगे। उनके साथ पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी व कई अन्य नेता भी जाएंगे। सम्राट चौधरी का दो दिवसीय अयोध्या दौरे पर रहेंगे।

आपको बता दें डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सितंबर 2022 में अपनी मां के निधन के बाद मुरेठा बांधा था और ये संकल्प लिया था कि वो पगड़ी तब खोलेंगे। जब वो नीतीश कुमार को सीएम की कुर्सी से हटा देंगे। ये शपथ सम्राट चौधरी ने तब ली थी जब बिहार में महागठबंधन की सरकार की थी। आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस और माले साथ थे। लेकिन फिर बिहार की सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ। इसी साल जनवरी के आखिर में नीतीश कुमार ने महागठबंधन का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ एनडीए की सरकार बना ली। एक बार फिर से नीतीश मुख्यमंत्री बने, और बीजेपी की ओर के सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम बने। जिसके बाद उनका वो संकल्प तो अधूर रह गया जिसमें उन्होने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाने की शपथ ली थी। अब सम्राट चौधरी बिहार की नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम हैं। विपक्ष कई बार सम्राट चौधरी के मुरेठा खोलने को लेकर सवाल करते आए हैं। और अब आखिरकार अयोध्या में सम्राट चौधरी भगवान राम के चरणों में अपनी पगड़ी समर्पित करेंगे। अयोध्या जाकर सिर मुंडवाकर अपनी पगड़ी प्रभु राम के चरणों में समर्पित करने का फैसला भी सम्राट चौधरी ने तभी लिया था। जब बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने बिहार में नीतीश कुमार के साथ सरकार बनाने का निर्णय लिया। इससे पहले डिप्टी सीएम ने कहा कि बिहार के विकास के लिए व?यक्तिगत कुछ नहीं हो सकता है। व?यक्तिगत निर्णय को निरस्?त भी किया जा सकता है।

जब अचानक स्कूल पहुंच गए एसीएस एस सिद्धार्थ

पटना (संवाददाता)।

बिहार शिक्षा विभाग के नए एसीएस एस सिद्धार्थ आज अचानक पटना के प्राथमिक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंच गए। जब वो स्कूल पहुंचे तो गेट अंदर से बंद था। कारण पूछने पर बताया गया कि बच्चे बहाना बनाकर स्कूल से भाग जाते हैं। इसलिए अंदर से बंद कर देते हैं। जब एस सिद्धार्थ क्लास में दाखिल हुए तो शिक्षका बच्चों को पढ़ा रही थीं। काफी शोर-शराबा भी था। जिसके बाद एसीएस ने खुद बच्चों की कॉपी चेक की। और पूछा कि पढ़ाई कैसी होती है।

बच्चों के ड्रेस में स्कूल नहीं पहुंचने पर कारण पूछा तो बच्चों ने बताया कि उन्हें गर्मी लगती है। इसलिए ड्रेस नहीं पहनते। कुछ बच्चे टीशर्ट में तो कुछ बनियान में नजर आए। अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने खुद प्राथमिक विद्यालय अदालतगंज स्लम विद्यालय का निरीक्षण किया। और टीचर्स से भी बात की।

इसके बाद स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की बस्ती में भी गए। और अभिभावकों से बात की। तो पता चला कि कई बच्चे घर में काम का बहाना बनाकर स्कूल ही नहीं आए। जिस पर नाराजगी जताते हुए एसीएस ने अभिभावकों से रोज बच्चों को स्कूल भेजने की बात की। साथ ही स्कूल स्टाफ को भी बच्चों को स्कूल लाने का आदेश दिया।

बिहार के स्कूल में 7वीं क्लास के छात्रों में चाकूबाजी, 3 स्टूडेंट अस्पताल पहुंचे

लखीसराय (संवाददाता)। बिहार के लखीसयराय जिले के बड़हिया में नगर के वार्ड संख्या के श्री कृष्ण मध्य विद्यालय में सोमवार को छात्रों के बीच हुई चाकूबाजी में तीन छात्र जख्मी हो गए। 7वीं क्लास के छात्रों के बीच विवाद हुआ था। स्कूल के प्राचार्य और शिक्षकों की मदद से सभी घायलों को तत्काल रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां उनका उपचार किया गया। घायलों की पहचान 8वीं के छात्र ऋषभ कुमार, 7वीं के छात्र सुमित कुमार, और ऋषिकेश कुमार के रूप में हुई है।

ऋषभ के दाहिने हाथ पर, सुमित की पीठ पर चाकू से वार किए गए। जबकि ऋषिकेश के गर्दन और छाती पर वार किए गए। जिस कारण उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। चिकित्सा प्रभारी उमेश प्रसाद सिंह ने सभी को खतरे से बाहर बताया है। सूचना पाकर उपचार के दौरान ही अस्साल पहुंचे पुलिस बल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित छात्र को स्कूल से ही कब्जे में ले लिया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया गया। छात्र की पहचान 7वीं के छात्र मन्नू कुमार के रूप में हुई। घटनाक्रम की जानकारी देते हुए स्कूल के प्राचार्य पुरुषोत्तम पुरिया ने बताया कि स्कूल में मध्यान भोजन चल रहा था। इसी दौरान छात्रों ने झगड़ा करते हुए घटना को अंजाम दिया। जिससे अवगत होते ही कक्ष में पहुंचकर जख्मियों को अस्साल लाया गया। जानकारी के मुताबिक आपसी विवाद का कारण बच्चों का एक दूसरे को चिढ़ाना रहा। जिससे बढ़ी अनबन के बीच साथियों पर चाकू से वार कर घटना को अंजाम दिया गया। मन्नू ने बताया कि उसके साथियों द्वारा लंबे समय से उसे गैर जाति सूचक शब्दों के साथ संबोधन कर चिढ़ाया जा रहा था।

बीते दिनों के ग्रीष्मावकाश में भी सोशल साइट पर लिखित माध्यम से उसे चिढ़ाया गया था। जिसके लिए मैंने उसे मना भी किया। लेकिन चिढ़ाने का काम लगातार जारी रहा। आखिरकार वो बीते दो दिनों से चाकू के साथ स्कूल आ रहा था। सोमवार को हुए पलववके दौरान दोस्तों ने चिढ़ाया तो पहले विवाद हुआ, फिर उसने चाकू से दोस्तों पर वार कर दिया। वहीं स्कूली स्तर से बताया गया कि स्कूल परिसर से बाहर जब तब साथियों के साथ मारपीट और उदंडता करने की स्थिति में पांच महीने पूर्व भी मन्नू को स्कूल आने से मना किया गया था। हालांकि परीक्षा की तिथि जारी होने और अभिभावक द्वारा बच्चे के भविष्य का हवाला देने पर इसे स्कूल आने की इजाजत दी गई थी।

चिराग पासवान की युवा सांसद शांभवी का संसद में दिखा दम, पहले ही भाषण में बिहार के लिए कर डाली ये मांग

पटना (संवाददाता)। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) की युवा सांसद शांभवी चौधरी को भी बोलने का मौका मिला। शांभवी ने अपना पहला भाषण दमदार तरीके से दिया। पीएम मोदी के कार्यों की सराहना करते हुए एक ऐसी डिमांड भी कर डाली, जो चिराग पासवान समेत जेडीयू भी लंबे वक्त से कर रही है।

समस्तीपुर से सांसद शांभवी चौधरी ने लोकसभा में अपनी पहली स्पीच में ही बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर डाली। शांभवी ने

कहा कि हम बिहार से आते हैं और बिहार ने 2005 से लगातार एनडीए को समर्थन दिया है। बिहार के युवाओं की वर्षों से लगातार मांग रही है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। मैं बिहार का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। इसलिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करती हूं कि इसके लिए अगर नीति आयोग में कुछ बदलाव की जरूरत हो, तो उस पर उनकी दृष्टि हो।

शांभवी ने आगे कहा कि मैं स्कूल-कॉलेज से बापू के विचारों को पढ़ती आई हूं। और अब ये कह सकती हूं कि अगर कोई बापू के विचारों को आगे लेकर जा रहा है, तो वह एनडीए की सरकार है। उनका विचार था कि गरीबों को मुख्य धारा से जोड़ा जाए, एनडीए सरकार ये काम बखूबी कर रही है। देश में 4 करोड़ लोगों को घर मिले हैं। 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड मिला है। 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए, एनडीए की सरकार ने बिना धर्म-जाति पूछे गरीबों का उद्धार किया है। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया है, उनकी आवाज बनी है। देश की सबसे युवा सांसद शांभवी के लोकसभा में दिए गए पहला भाषण चर्चा का विषय बन गया है।

आजादी की लड़ाई में जनजातीय समाज का महत्वपूर्ण योगदान : साय

आदिवासी गोंड़ समाज मांवली महासभा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक भवन लोकार्पण एवं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भाटापारा नगर के कृषि उपज मंडी परिसर में आदिवासी गोंड़ समाज माँ मांवली महासभा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक भवन लोकार्पण एवं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस समारोह में शामिल हुए। इस दौरान समाज के पदाधिकारियों ने साफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

श्री साय ने सम्मेलन में आदिवासी समाज के सामाजिक भवन के आहता निर्माण हेतु 22 लाख रूपये, वहां तक सीसी रोड के लिए 25 लाख रूपये की घोषणा की है। साथ ही गुर्रा से जोगीद्वीप मेला स्थल तक सड़क निर्माण हेतु 1 करोड़ 30 लाख रूपये की घोषणा की। उन्होंने इसके अतिरिक्त तरेंगा से दौरेंगा तक सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रेषित करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य मंच से प्रधानमंत्री आवास योजना के 5 हितग्राहियों को घर की चाबी, 3 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 4 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र एवं समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया। इस दौरान रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक बिल्हा धरम लाल कौशिक, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, सुश्री पिंकी ध्रुव, लच्छूराम कश्यप, समाज प्रमुख बंशीलाल नेताम, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल उपस्थित रहे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जनजातीय गौरव की भावना को सुदृढ़ बनाने के लिए हर साल 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत की। इसके साथ ही रानी दुर्गावती का भव्य स्मारक जबलपुर में तैयार कराया गया है। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जनजातीय समाज से हैं। उनका इस सर्वोच्च पद में आसीन होना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने ने कहा कि समाज एकजुट होकर और शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़े। शिक्षा विकास का मूलमंत्र है। किसी भी क्षेत्र में तरक्की करना है, तो शिक्षा जरुरी है। उन्होंने युवाओं को नशापान से दूर रहने की नसीहत देते हुए कहा कि नशापान से युवा गुमराह हो रहे हैं। उन्हें सही दिशा में अपनी ऊर्जा और क्षमता लगाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किये गए वायदे को तेजी से पूरा कर रही है। हमने धान के बकाया बोनस की राशि, 3100 रुपये मे धान खरीदी और एक मुश्त राशि किसानों के खाते में राशि अंतरित किया है। महतारी वंदन योजना अंतर्गत 70 लाख महिलाओं के खाते में हर महीना एक हजार रूपये दिया जा रहा है। राम भक्तों को रामलला के दर्शन के लिए रामलला दर्शन योजना शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में एक पेड़ माँ के नाम लगाने का आह्वान किया है। उनके आह्वान को पूरा करने हम सभी को प्रयास करना है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सभी अपने माँ के नाम से माँ के साथ एक पेड़ जरूर लगाएं। इस तरह से पेड़ लगाएंगे तो उसकी देख भाल बहुत अच्छे से होगी और पेड़ जल्द विकसित होगा। उन्होने कहा कि बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने में वृक्षारोपण बहुत जरुरी है। समारोह को रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक बिल्हा धरम लाल कौशिक, पूर्व विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा ने भी सम्बोधित किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और दूर दराज से आएं आदिवासी समाज के पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अहिवारा में 2.68 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने दुर्ग जिले के अहिवारा में दो करोड़ 68 लाख 94 हजार रुपए के 41 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 17 लाख 84 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित नगर पालिका भवन में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण तथा अहिवारा नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में दो करोड़ 51 लाख दस हजार रूपए लागत के 40 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक भी वितरित किए।

उप मुख्यमंत्री साव अहिवारा में कबीर भवन में आयोजित सदगुरू कबीर प्राकट्य उत्सव में भी शामिल हुए। उन्होंने मुख्य अतिथि की आसन्दी से उत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि कबीर की वाणी में जीवन दर्शन मिलता है। कबीर की वाणी को घर-घर तक पहुंचाएं और जीवन में आत्मसात करें। साव ने अहिवारा के लोगों को भरोसा दिलाया कि वहां के विकास के लिए राशि की कमी नहीं होगी। उन्होंने अहिवारा में सिविल न्यायालय की स्थापना के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को 50 लाख रुपए तक के विकास कार्यों के प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा।

विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने सदगुरू कबीर प्राकट्य उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि संत कबीर की वाणी सभी समाज को जोड़ने की है। कबीर के अनुयायी सभी समाज के लोग हैं। नगर पालिका के अध्यक्ष नटवर ताम्रकर ने अहिवारा के कबीर चौक का सौंदर्यीकरण पालिका की ओर से पांच लाख रूपए की लागत से कराने की घोषणा की। इस अवसर पर नगर पालिका के पार्षदगण, नगर के गणमान्य नागरिक एवं कबीर प्राकट्य उत्सव के आयोजक महंत लीलाधर साहू सहित अन्य महंतगण एवं बड़ी संख्या में कबीरपंथी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के शांति नगर स्थित स्वदेशी भवन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पूर्वान्ह 11 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कर नयी जानकारियां साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी ने केरल की अट्टापड़ी गांव की स्वसहायता समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए जा रहे मारथुंबी छाता का जिक्र करते हुए कहा कि उनके छाता को एक ब्रांड मिल गया है तथा उनके उत्पाद में बढ़ोत्तरी हो गयी है। आज हमारे देश में मोदी जी के नेतृत्व में खिलाडियों को विभिन्न खेलों में विशेष अवसर प्रदान हो रहे हैं जिससे खिलाड़ी देश और विदेश में परचम लहरा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए प्रदेश की जनता से आग्रह किया कि आप सभी अपने घरों, बाड़ी, खेतों एवं आस पास अपनी माता जी के साथ एक पेड़ अवश्य लगाएं।

इससे देश की 140 करोड़ आबादी यदि एक भी पेड़ लगाती है तो यह पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति होगी। खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश के करोड़ों लोगों की मन की बात को पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर सर्वश्री लोकेश कावड़िया, नितिन पटेल, अनुप खेलकर, सुदीप, प्रीतम महानंद सहित बड़ी संख्या में श्रोताजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भाटापारा पहुंचने पर किया गया आत्मीय स्वागत

रायपुर।

भाटापारा नगर में आदिवासी गोंड़ समाज मावली महासभा द्वारा सांस्कृतिक भवन लोकार्पण एवं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस समारोह में पहुँचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्थानीय हैलीपैड पहुँचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। हैलीपेड में भाटापारा विधायक इंद्र साव, भाटापारा पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, बिलाईगढ़ सनम जांगड़े स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, समाज प्रमुखों, कलेक्टर दीपक सोनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, डीएफओ मयंक अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्र विष्णुदेव साय का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

वन मंत्री बस्तर में प्रधानमंत्री के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप बस्तर जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्री कश्यप बस्तर नगर पंचायत के सदभावना भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम का तन्मयता के साथ श्रवण किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास शासन-प्रशासन कर रही है। मंत्री श्री कश्यप ने नगर पंचायत बस्तर के मुख्यमार्ग में पौधरोपण कार्यक्रम में पीपल के पौधे का पौधरोपण किया। ज्ञातव्य है कि वन विभाग द्वारा पूरे बस्तर वनमंडल में मुख्य मार्ग के किनारे करीब 7400 पौधरोपण करने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम में मंत्री के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री मनीराम कश्यप और अन्य जनप्रतिनिधियों ने हरियाली प्रसार योजनांतर्गत प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, यह रथ जिले में किसानों और ग्रामीणों को निःशुल्क पौधों का वितरण करेगी। वहीं किसानों और ग्रामीणों को अधिकाधिक पौधरोपण के लिए जागरूक किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा हरियाली प्रसार योजनांतर्गत किसानों को उनके स्वयं के भूमि में पौधरोपण के लिए सागौन, खम्हार, बांस, नीलगिरी इत्यादि प्रजाति के पौधे निःशुल्क प्रदान किया जाता है। जिससे किसान अपने खाली पड़े टिकरा-मरहान सहित खेत के मेड़ पर भी पौधरोपण कर आय अर्जित कर सकते हैं। कार्यक्रम के अवसर पर क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

वन मंत्री केदार कश्यप वाहन चालक कर्मचारी संघ के प्रथम प्रांतीय सम्मेलन में हुए शामिल

रायपुर। वन विभाग का अमला विषम परिस्थिति में काम करते हुए वनों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में निरंतर योगदान देता है। भविष्य में वनों की महत्ता को मद्देनजर रखकर हम सभी को मिलकर वनों के विकास में लगातार वृद्धि करने के लिए सहभागिता निभाना जरूरी है। यह बात वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने स्थानीय वन विद्यालय के सभागार में आयोजित वन विभाग के वाहन चालक कर्मचारी संघ के प्रथम प्रांतीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर वन मंत्री श्री कश्यप ने वन विभाग के वाहन चालक कर्मचारी संघ के मांगों पर सहानुभूति विचार करने आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने वन क्षेत्र में वृद्धि के साथ ही वन विभाग के अमले को ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बेहतर कार्य करने कहा। साथ ही इस दिशा में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने पर जोर दिया। इस मौके पर विधायक जगदलपुर किरण देव ने भी सम्बोधित कर वन कर्मचारियों को धरातल पर वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु ग्रामीणों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें वन आधारित एवं वनोपज प्रसंस्करण सम्बन्धी आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम के आरंभ में वन विभाग के वाहन चालक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रफीक खान ने संघ के प्रथम प्रांतीय सम्मेलन आयोजन के प्रतिवेदन तथा संघ के मांगों के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित मुख्य वन संरक्षक बस्तर वन वृत्त आरसी दुग्गा, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी आरके पाण्डे, डीएफओ उत्तम गुप्ता और अन्य अधिकारी तथा वन विभाग के वाहन चालक कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणा में अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी भाजपा : अमित शाह

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने माता मनसा देवी की भूमि पंचकूला से घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा किसी भी पार्टी के साथ समझौता नहीं करेगी और अकेले ही पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को हर घर में जाकर प्रत्येक वोटर से वोट की अपील करनी होगी। केंद्रीय गृहमंत्री शनिवार को पंचकूला में आयोजित विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी की दूसरे सत्र की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि प्रति व्यक्ति प्रति एकड़ अनाज पैदा करने में म्हारे हरियाणा ने रिकॉर्ड बनाया है। देश को रक्षक देने में अनुपातिक तौर पर सबतै आगे म्हारे हरियाणा है। स्वर्ण पदक दिलाने में हरियाणा के धाकड़ खिलाड़ी आगे हैं। बासमती चावल का उत्पादन सबसे ज्यादा ''म्हारा हरियाणा'' कर रहा है। लाल डोरे को मालिकाना हक सबसे पहले हरियाणा में दिया गया। आयुष विश्वविद्यालय बनाने के अलावा अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देना हरियाणा के रिकॉर्ड को दर्शाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए कार्यों से लोगो को अवगत करवाएं।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने हरियाणा प्रदेश में 2,70,000 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश में कई असंभव बातों को संभव करके दिखाया है, इनमें अयोध्या का राम मंदिर निर्माण, जम्मू कश्मीर की धारा 370 व 35ए को समाप्त करना, सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को संदेश देना, देश में नई शिक्षा नीति को लागू करना शामिल

रहा है। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश को पूरे देश में कई महत्वपूर्ण चीजों के लिए जाना जाता है। देश को कई मामलों में हरियाणा ने आत्मनिर्भर बनाया है। अनाज के गोदाम किसानों के द्वारा पैदा किए हुए अन्न से भरे हुए हैं। देश की सेना में हरियाणा के ज्यादा संख्या में जवान हैं। खेल के मैदान में स्वर्ण दिलवाने वाले भी हरियाणा के धाकड़ खिलाड़ी आगे मिलते हैं। हरियाणा की धरती पर ही कुरुक्षेत्र में गीता का उपदेश दिया गया। महाराजा अग्रसेन, दानवीर कर्ण, गुरु द्रोणाचार्य भी हरियाणा की धरती पर पैदा हुए हैं। कार्यकर्ताओं में जोश और नई ऊर्जा भरते हुए श्री शाह ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बूथ स्तर से मतदाता की कद्र करती है। किसी भी जीत का श्रेय पार्टी अपने बूथ कार्यकर्ता को देती है। इसी कारण कार्यकर्ताओं के समूह को भाजपा में देव दुर्लभ फौज कहा जाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह खुद को भाजपा पार्टी का समर्पित सिपाही समझकर एक-एक वोट के लिए काम करें। श्री शाह ने कहा कि हमारे जैसे कार्यकर्ता किसी अन्य पार्टी के पास नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बड़े गर्व के साथ जनता के बीच जाएं, क्योंकि मोदी और मनोहर-नायब सरकार ने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे कार्यकर्ताओं को सिर झुकाना पड़े। हमने हर मोर्चे पर देश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हारा हुआ विपक्ष अपने आपको जीता हुआ समझ रहा है यह विपक्ष झूठ फैला रहा है।

श्री शाह ने कहा कि हम गरीब कल्याण के आधार पर सरकार बनाएंगे। हरियाणा ने समग्र रूप से विकास किया है। भाजपा सरकार ने युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दी है और भ्रष्टाचार मुक्त हरियाणा दिया है। शाह ने कहा कि कांग्रेस जनता में भ्रम फैलाकर लोकसभा चुनाव में मिली हार को छिपाने में लगी है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश में 6 दशक के बाद तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता हैं। भाजपा की जीत का आधार पार्टी का सिद्धांत कार्यकर्ताओं का परिश्रम और भाजपा की सरकारों द्वारा किए गए लोक कल्याण के काम हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है। कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि सोनिया की आंखों का तारा (राहुल गांधी) और हुड्डा साहब का सितारा (दीपेंद्र हुड्डा) अब हरियाणा में तारा-सितारा नहीं चलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हरियाणा में दो तिहाई बहुमत से जीतना है।

राजस्थान भक्ति व शक्ति की भूमि, सनातन धर्म व भारत एक दूसरे के पूरक : योगी

खैरथल (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान के अलवर जिले के कोटकासिम के लाडपुर में आयोजित संत समागम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रसिद्ध बाबा सोमनाथ मंदिर में आयोजित तृतीय आठमान के विशाल भंडारा में भी हिस्सा लिया। देशभर से यहां आए संतजनों का अभिवादन करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाथ संप्रदाय भारत के सनातन धर्म का महत्वपूर्ण पंथ है। हमारे सभी कार्यक्रम सनातन धर्म के आराध्य देवों, ऋषि-मुनियों, सिद्धों और संतों के प्रति समर्पित होते हैं। हमारा सनातन धर्म ही भारत की आत्मा है। सनातन धर्म और भारत एक दूसरे के पूरक हैं। भारत मजबूत होगा तो सनातन धर्म भी मजबूत होगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं नाथ पंथ में दीक्षित महाराज भर्तृहरि की पावन साधना स्थली इस लाडपुर गांव में प्रतिष्ठित संत बाबा सोमनाथ जी की 24वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित भंडारा कार्यक्रम में शामिल हो रहा हूं। हमारे पूज्य संतों की साधना, समर्पण और लोककल्याण के कार्यक्रम सनातन धर्म और भारत को मजबूती देने के लिए होते हैं। सिद्ध संत योगी खेतानाथ महाराज और उनके शिष्य पूज्य संत महंत सोमनाथ ने अपना पूरा जीवन लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए समर्पित किया था। उनकी साधना सनातन धर्म और अनुयायियों के लिए थी। राजस्थान भक्ति और शक्ति की भूमि है। अरावली की पहाड़ियों में अनेकानेक संतों ने लोक कल्याण के लिए साधना की। योगी आदित्यनाथ ने सम्मेलन में उपस्थित तिजारा के सभी भक्तजनों का इस बात के लिए भी अभिनंदन किया कि उन सभी ने विधानसभा चुनाव में यहां से महंत बालकनाथ को जीत दिलाई।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पीएम मोदी के 'मन की बात' पर साधा निशाना, कहा- ये ढंग की बात नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार सत्ता की कमान संभालने के बाद रविवार को 111वीं बार 'मन की बात' कार्यक्रम में देश को संबोधित किया। इस पर अब राजनीति शुरू हो चुकी है। पीएम मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' की। हमने सोचा कि यह तीसरा कार्यकाल है, अब वह परजीवी प्रधानमंत्री हैं, अपने हिसाब से तो वो कुछ कर नहीं सकते हैं। वो सब कुछ बैसाखियों के सहारे ही करेंगे, तो हमें लगा कि शायद इस बार वो कुछ ढंग की बात करेंगे, लेकिन आज भी प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में ढंग की बात नहीं की। न ही उन्होंने नीट परीक्षा में हुई धांधली पर कुछ कहा, न ही घोटाले पर कुछ कहा, न ही रेलवे हादसे पर कुछ कहा। वर्तमान में जिस तरह से पूरी व्यवस्था तहस-नहस हो रही है, उस पर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रधानमंत्री ने चुप्पी साधे रखी। दिल्ली हवाईअड्डे पर इतनी गंभीर दुर्घटना घटी, इसमें एक व्यक्ति की जान चली गई, लेकिन प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा।

कांग्रेस नेता ने कहा, यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि प्रधानमंत्री ने जनहित से जुड़े मुद्दों पर कुछ नहीं कहा। आज की तारीख में युवा जो प्रधानमंत्री से सुनना चाह रहा है, उस पर भी प्रधानमंत्री ने एक शब्द नहीं कहा। आज की तारीख में आम लोग जो प्रधानमंत्री से सुनना जा रहे हैं, उस पर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। पीएम मोदी ने एक तरह से अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नहीं चाहते हैं कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा हो। नीट, पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों को लेकर वर्तमान में खूब चर्चा हो रही है, मगर प्रधानमंत्री ने जिस तरह से इन मुद्दों पर एक शब्द भी बोलने की जहमत नहीं उठाई, उससे यह साफ जाहिर है कि ये लोग इन मुद्दों पर बोलने से बच रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जब आप चुनाव प्रचार कर रहे थे, उस वक्त आप उत्तर को दक्षिण से लड़वा रहे थे। लोगों के बीच नफरत फैलाने का प्रयास कर रहे थे, जो किसी भी मायने में उचित नहीं है। लोकसभा चुनाव के दौरान आप लोग दक्षिण को उत्तर और उत्तर को दक्षिण से लड़वा रहे थे, लेकिन आज आप केरल के छतरी की तारीफ कर रहे हैं, इससे यह साफ जाहिर है कि आपको लोगों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि आप सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं।

उन्होंने कहा, आपको क्या लगता है, लोग आपको भूल जाएंगे। इस देश की जनता को पता है कि जब आप प्रचार कर रहे होते हैं, तो उस वक्त यह देश आपका असली चेहरा देख रहा होता है। वहीं, अब जो आप कर रहे हैं, वो आडंबर है, उसका लोगों के हितों से कोई लेनाङ्कदेना नहीं है। आपके मन की बात में ढंग की बात नहीं है। इसका जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। बता दें कि तीसरी बार देश की कमान अपने हाथों में संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देश को संबोधित किया। इसमें उन्होंने विभिन्न मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैंने आपको आज से तीन महीने पहले कहा था कि मैं आपसे फिर मिलूंगा। आज तीन महीने पूरे होने के बाद मैं आपको फिर संबोधित कर रहा हूं।

नहीं रहे पूर्व भारतीय फुटबॉलर भूपिंदर सिंह रावत

सूरत (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारत के पूर्व विंगर भूपिंदर सिंह रावत के निधन की पुष्टि की है, जिनका संक्षिप्त बीमारी के बाद शनिवार को निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। रावत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है।

1960 और 1970 के दशक के तेज तर्रार खिलाड़ी, रावत 1969 में मलेशिया में मर्डेका टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सदस्य थे। घरेलू फुटबॉल में, उन्होंने दिल्ली गैरीसन, गोरखा ब्रिगेड और मफतलाल जैसी शीर्ष टीमों के लिए खेला। उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्विसेज और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। अपनी छोटी कद-काठी के बावजूद प्रतिद्वंद्वी डिफेंस को भेदने की अपनी गति और क्षमता के कारण भीड़ के चहेते रावत को स्टैंड में उनके प्रशंसकों द्वारा स्कूटर उपनाम दिया गया था। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने एआईएफएफ मीडिया टीम से कहा, भूपिंदर सिंह रावत एक उत्कृष्ट विंगर और एक शानदार स्कोरर थे, जिन्होंने खेल को उत्कृष्टता के साथ सेवा प्रदान की। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जम्मू से यात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को यहां से घाटी के लिए रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को 13 हजार से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए थे। अधिकारियों ने बताया कि 6,619 यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह 151 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ।

उन्होंने कहा, इनमें से 2,781 यात्री 3: 50 बजे 151 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और 3,838 यात्री 168 वाहनों में सवार होकर सुबह 4:42 बजे नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को रक्षा बंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी। यात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने पर 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन वापस आधार शिविर लौट सकते हैं। समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा की कलाओं के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि बर्फ की यह संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। इस वर्ष लगभग 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों पर, दोनों आधार शिविरों पर और गुफा मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारू और निर्बाध हो सके। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से अधिक 'लंगर' लगाए गए हैं। इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक 'सेवादार' (स्वयंसेवक) यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

गूगल मैप के भरोसे उफनाती नदी में घुस गए कार सवार

फिर हुआ ऐसा चमत्कार जिसने बचा ली जान

कासरगोड (एजेंसी)।

आम तौर पर किसी तकनीक का इस्तेमाल काम को आसान बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन केरल से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने कार सवारों की मुश्किलें बढ़ा दीं। दरअसल, केरल के सुदूर उत्तरी कासरगोड जिले में गूगल मैप्स का उपयोग करके

अस्पताल का रास्ता तलाश रहे दो युवक अपनी कार को उफनती नदी में लेकर चले गए। हालांकि अचानक वाहन के एक पेड़ से फंस गया। जिसके बाद कार में सवार लोग चमत्कारिक रूप से बच गए। बताया जा रहा है कि पल्लांची में उफनती नदी से दमकल कर्मियों ने कार सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी कार पानी के तेज बहाव में बहकर एक पेड़ में फंस गई थी। हालांकि उन्होंने किसी तरह गाड़ी से निकलकर दमकलकर्मियों को अपनी लोकेशन के बारे में बताया। बाद में फायर बिग्रेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने रस्सियों की सहायता से दोनों व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाए गए युवकों ने बताया कि वे पड़ोसी राज्य कर्नाटक के एक अस्पताल जा रहे थे, जिसके लिए गूगल मैप्स का उपयोग करके आगे बढ़ रहे थे। युवकों में से एक अब्दुल रशीद ने बताया कि गूगल मैप्स से उन्हें आगे एक संकरी सड़क होने का पता चला, जिसके बाद वे अपनी कार लेकर गए। बता दें कि गूगल मैप्स एक वेब सेवा है जो दुनिया भर के भौगोलिक क्षेत्रों और स्थानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। पारंपरिक सड़क मानचित्रों के अलावा, 'गूगल मैप्स' कई स्थानों के हवाई और उपग्रह दृश्य प्रदान करता है। युवकों ने बताया कि वाहन की हेडलाइट की मदद से हमें लगा कि हमारे सामने कुछ पानी है, लेकिन हम यह नहीं देख पाए कि दोनों तरफ नदी थी और बीच में एक पुल था। कार अचानक पानी की धारा में बहने लगी और बाद में नदी के किनारे एक पेड़ में फंस गई।

कोलकाता में भारत जकात संतर पथुआ गौंटा के सदस्य 170वें हूल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित रैली में हिस्सा लेते हुए.

ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए अब पेजेशकियन जलीली के बीच निर्णायक मुकाबला

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान में 14वें राष्ट्रपति के लिए हुए पहले चरण के चुनाव में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। अब दो शीर्ष उम्मीदवारों मसूद पेजेशकियन और सईद जलीली के बीच सीधे मुकाबले के लिए 5 जुलाई को मतदान होगा।

ईरान के चुनाव मुख्यालय के प्रवक्ता मोहसिन इस्लाम ने शनिवार को तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहले दौर के परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि पेजेशकियन और जलीली को क्रमश: 10,415,991 (42.6 प्रतिशत) और 9,473,298 (38.8 प्रतिशत) वोट मिले। मोहसिन इस्लाम ने बताया कि अन्य दो उम्मीदवारों, मोहम्मद बाकर कलीबाफ और मुस्तफा पुर मोहम्मदी को क्रमश: 3,383,340 (13.8 प्रतिशत) और 206,397 (0.8 प्रतिशत) वोट मिले। उन्होंने बताया कि लगभग 40 प्रतिशत (24,535,185) वोटरों ने मताधिकार का प्रयोग किया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शुक्रवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 8 बजे शुरू हुआ था जो आधी रात तक जारी रहा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातोल्लाह अली ख़ामेनेई ने मतदान केंद्र पहुंचकर पहला वोट डाला। इस दौरान उन्होंने ईरानी लोगों की एकता का आह्वान करते हुए भाषण भी दिया था। राष्ट्रपति बनने के लिए किसी उम्मीदवार को पहले दौर में पहले चरण में किसी को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दूसरे चरण में मुकाबला होगा। जिसे अधिक वोट प्राप्त होगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। ईरान के 14वें राष्ट्रपति का चुनाव 2025 के लिए निर्धारित था। लेकिन इस साल 19 मई को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हो गई जिस वजह से समय से पहले चुनाव कराने की जरूरत पड़ी।

महाराष्ट्र में चोरों और बदमाशों की सरकार ने दो साल पूरे किए : संजय

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार के दो साल पूरे होने पर संजय राऊत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चोरों और बदमाशों की सरकार ने महाराष्ट्र में दो साल पूरे कर लिए हैं। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राऊत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने आज विज्ञापन देखा, जिसके माध्यम से मुझे पता चला कि चोरों और बदमाशों की सरकार ने महाराष्ट्र में दो साल पूरे कर लिए हैं। ये दो साल धोखाधड़ी के हैं। एक बेईमान, संविधान विरोधी सरकार बनी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने उस असंवैधानिक सरकार को ताकत दी।

उन्होंने कहा कि तटस्थ रहने वाले विधानसभा अध्यक्ष ने पक्षपातपूर्ण निर्णय देकर इस सरकार को बचाया और राज्यपाल ने असंवैधानिक बहुमत परीक्षण का आदेश दिया। इन सभी ने इस सरकार को बनाने में अवैध और असंवैधानिक काम किए। इस अवैध सरकार का जन्म हुआ और इसे कानूनी रूप से बरकरार रखा गया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सत्ता में बैठी धोखेबाज सरकार के पास जीने के लिए दो या तीन महीने हैं। लोकसभा चुनाव में जनता ने इस सरकार को नकारा और विधानसभा चुनाव में इस सरकार को हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि शिंदे सरकार ने दो साल में क्या किया? धोखे से राज्य में आने वाली सरकार ने प्रदेश को कर्ज का बाजार बना दिया। उन्होंने महाराष्ट्र के उद्योग को गुजरात में जाने दिया, ये राज्य का दुर्भाग्य है कि ये दो साल से सिर्फ ढोल पीट रहे हैं। एकनाथ शिंदे पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया उनके कहे अनुसार नहीं चलती, क्या चोर और लुटेरे कभी बढ़ते हैं? अगर आप में हिम्मत है तो आपको अपनी पार्टी बनानी चाहिए थी और अपने सिंबल पर चुनाव लड़ना चाहिए था। लोकसभा चुनाव में शिंदे के लोग जहां भी खड़े हुए, वहां लाखों रुपये देकर वोट खरीदे गए। यह विद्रोह पैसे और बेईमानी का था। इस विधानसभा चुनाव से पहले लोगों के पैसे से वोट खरीदने का सीधा प्रयास रिश्वतखोरी है। लोकसभा चुनाव में शिंदे के लोग जहां भी खड़े हुए, वहां लाखों रुपये देकर वोट खरीदे गए। यह विद्रोह पैसे और बेईमानी का था।

अब 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा पेट्रोल ओर डीजल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों के बीच सरकार ने बड़ा फैसला किया है। अब प्रदेश में एक जुलाई से 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों को दोपहिया और चारपहिया वाहन के लिए पेट्रोल पंप से डीजल या पेट्रोल नहीं मिलेगी। इसके लिए प्रदेश सरकार ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पेट्रोल पंपों पर इस संबंध में नोटिस भी चस्पा होगा। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डा. शुचिता चतुर्वेदी ने माध्यमिक और बेसिक शिक्षा निदेशक, पुलिस महानिदेशक, खाद्य रसद विभाग के आयुक्त, परिवहन आयुक्त व अपर पुलिस महानिरीक्षक को दिशा निर्देश जारी किया है। गौर हो कि 18 वर्ष से कम आयु के छात्र-छात्राएं यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के सड़कों पर वाहन दौड़ाते अकसर नजर आते हैं। ऐसे में आए दिन सड़क हादसे भी हो रहे हैं। बीते दिनों राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बैठक आयोजित कर नाबालिगों के कारण हो रही दुर्घटनाओं को लेकर चिंता जताई थी।

रोहित शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, आज तक कोई भी देश ऐसा काम नहीं कर पाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में भारत ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हरा करोड़ों दिलों पर अपना कब्जा किया। भारत ने 17 सालों के लंबे इंतजार के बाद टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। भारत ने 17 सालों के लंबे इंतजार के बाद टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। बता दें कि इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2007 की ट्रॉफी जीती थी। अब टीम इंडिया एख बार फिर से क्रिकेट में चैंपियन बनी है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम ने कमाल का प्रदर्शन किया बता दें कि इस पूरे टूर्नामेंट में कोई भी विरोधी टीम भारतीय टीम को हरा नहीं पाई। भारत ने इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों को हरा कर अस ट्राफी पर अपना कब्जा किया। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में लगातार 8 मुकाबले जीते। भारत पहला ऐसा देश बन गया है, जिसे टी20 वर्ल्ड कप के किसी एडिशन में बिना मैच गंवाए टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की। इससे पहले ऐसा इतिहास रचने वाली कोई टीम नहीं है। वहीं अब ऐसा कीर्तिमान रच रोहित शर्मा की कप्तानी ऐताहासिक हो गई।

फाइनल मैच की बात करें तो टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बैटिंग में टीम इंडिया ने 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए। 177 रनों के टारगेट का पीछा करते साउथ अफ्रीका की टीम मैदान में उतरी और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने अपनी शानदार गेंदबाजी कर भारत को जीत की ओर धकेला। बैटिंग में विराट कोहली ने 76 रन और अक्षर पटेल ने 47 रनों की शानदार पारी खेली और लिए विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया है।

भारत के जीतते ही पाक में शैम्पेन व डांस के साथ मना जश्न, पाकिस्तानी बोले- 'आई लव यू इंडिया'

इस्लामाबाद (एजेंसी)। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में टीम इंडिया के जीतने पर पाकिस्तान में भी जश्न का माहौल है। पाकिस्तान के कुछ लोग जहां भारत के नाम से चिढ़ते हैं, वहीं कुछ पाकिस्तानियों ने 'आई लव यू इंडिया' का नारा लगाया है। पाकिस्तान के युवाओं ने कहा कि 'भारत ने जहा सेमीफाइनल में गोरों को नानी याद दिला दी और 2014 व 2022 का बदला ले लिया वहीं फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास रच दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर यह वीडियो आते ही वायरल हो गया है, भारत के लोग भी इस वीडियो की जमकर तारीफकर रहे हैं। दरअसल, भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैड को हराकर फाइनल में पहुंचा। इस जीत के बाद पाकिस्तान से जश्न मनाने का वीडियो सामने आया जिसमें पाकिस्तान की प्रसिद्ध यूट्यूबर शैला खान भी नजर आ रही है।

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में जीत पर झूम उठी दुनिया, इजरायल-यूए ने दी बधाई, आनंद महिंद्रा व गूगल सीईओ बोले...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर जीत पर पूरी दुनिया झूम रही है। भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम ने डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के मुंह से जीत छीन कर अपनी मेहनत और काबलियत को साबित कर दिया है ।

इस जीत के बाद देश दुनिया से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी जा रही है। इजरायल से लेकर अमेरिका तक ने भारत को जीत की बधाई दी है। भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए पर लिखा ' चक दे इंडिया टी20 वर्ल्डकप 2024 में शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई! वाकई एक ऐतिहासिक उपलब्धि!' बता दें कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारती टीम को बधाई दी है।

इसके अलावा श्रीलंका के विदेश मंत्री ने भारत को बधाई देते हुए लिखा- दबाव में शानदार प्रदर्शनज्ज। अमेरिका की ओर से भी जीत की बधाई आई है । भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने X पर अपने पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत! बधाई । बता दें कि टी-20 वर्ल्ड के कुछ मैच वेस्टइंडीज में तो कुछ मैच अमेरिका में हुए थे।

कोच से कप्तान तक, टी20 चैंपियन बनी टीम इंडिया में होंगे यह बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के नाम रहा. भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब जीता. इस जीत के बाद भारतीय क्रिकेट फैंस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं. हालांकि इन खुशियों के बीच फैंस के लिए कुछ बुरी खबरें भी हैं. इस वर्ल्ड कप के बाद भारत की टी20 टीम में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे. टी20 टीम में कप्तान और कोच सब बदल जाएंगे.

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ ही भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और उनके साथ पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का एलान कर दिया था. दोनों ही खिलाड़ियों ने फाइनल के ज़रिए भारत के लिए आखिरी टी20 मैच खेला. अब रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत की टी20 टीम में नहीं दिखाई देंगे. टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने भारत की कमान संभाली थी. अब उनके रिटायरमेंट के बाद टी20 टीम को नया कप्तान मिलेगा. रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में अक्सर हार्दिक पांड्या को भारत की टी20 टीम की कमान संभालते हुए देखा गया है. रोहित शर्मा के रहने तक कोई भी टी20 टीम का पर्मानेंट कप्तान नहीं था, लेकिन अब टीम रोहित के बाद टीम को पर्मानेंट कप्तान मिलेगा. अब देखना दिलचस्प होगा भारत की टी20 टीम का स्थायी कप्तान किसे बनाया जाता है.

सबसे पहली बात तो यह कि विराट कोहली को कोई खिलाड़ी रिप्लेस नहीं कर सकता और न ही कोई खिलाड़ी टीम इंडिया में उनकी ज़िम्मेदारी पूरी कर सकता है. इस टी20 विश्व कप को हटा दें तो विराट कोहली टी20 में भी भारत के लिए नंबर तीन पर खेलते थे. ऐसे में अब कोहली के बाद नंबर तीन पर खेलने वाले खिलाड़ी की ज़िम्मेदारी बहुत बड़ी हो जाएगी. अब देखना दिलचस्प होगा कि नंबर तीन पर किस खिलाड़ी को मौका दिया जाता है. टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के साथ टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी खत्म हो गया. द्रविड़ तीनों ही फॉर्मेट में भारत के कोच थे. अब तीनों ही फॉर्मेट में टीम इंडिया को नया कोच मिलेगा. हेड कोच के लिए गौतम गंभीर का नाम काफी चर्चाओं में हैं. हालांकि अभी तक इस पद को लेकर किसी भी तरह की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है.

भारत को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए 1.5 अरब डॉलर का ऋण देगा विश्व बैंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व बैंक ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले ऊर्जा उत्पादन के विकास में तेजी लाने के लिए दूसरे ऑपरेशन के तहत भारत को 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। विश्व बैंक ने वाशिंगटन में बताया कि 'लो-कार्बन एनर्जी प्रोग्रामेटिक डेवलपमेंट पॉलिसी ऑपरेशन' का दूसरा चरण ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोलाइजर के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सुधारों में मददगार होगा, जो ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीक है।

यह ऑपरेशन सरकार की ऊर्जा सुरक्षा और विश्व बैंक की हाइड्रोजन फॉर डेवलपमेंट (एच4डी) भागीदारी के अनुरूप है। विश्व बैंक के अनुसार, सुधारों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025-26 से प्रति वर्ष कम से कम 4,50,000 टन ग्रीन हाइड्रोजन और 1,500 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर का उत्पादन होने की उम्मीद है। इसके अलावा, यह अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष पांच करोड़ टन कमी लाने में भी महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार को और विकसित करने के कदमों का भी समर्थन करेगा। भारत में विश्व बैंक के निदेशक ऑगस्त तानो कुआमे ने कहा, विश्व बैंक को भारत की लो-कार्बन विकास रणनीति का समर्थन जारी रखने की प्रसन्नता है, जो देश के शुद्ध-शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा और निजी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नौकरियां पैदा करेगा। कुआमे ने कहा, पहले और दूसरे, दोनों ऑपरेशनों में ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के तेज़ी से बढ़ने की उम्मीद है। विश्व बैंक के अनुसार, आर्थिक विकास के साथ उत्सर्जन वृद्धि पर लगाम लगाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाना होगा, ख़ास तौर पर औद्योगिक क्षेत्रों में।

ऑपरेशन के लिए टीम लीडर की भूमिका निभा रहे ऑरेलियन क्रूस, शियाओडोंग वांग और सुरभि गोयल ने कहा, भारत ने ग्रीन हाइड्रोजन के लिए घरेलू बाज़ार विकसित करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं, जो तेज़ी से विस्तारित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित है। विश्व बैंक ने जून 2023 में 1.5 अरब डॉलर के पहले ऑपरेशन को मंजूरी दी थी, जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए ट्रांसमिशन शुल्क की छूट, सालाना 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निविदाएं शुरू करने के लिए एक स्पष्ट राह तैयार करना और राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार के लिए एक कानूनी ढांचा बनाना शामिल है।

गिफ्ट निफ्टी ने जून में रिकॉर्ड 95.5 बिलियन डॉलर का किया मासिक कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार करने वाले गिफ्ट निफ्टी ने जून में 95.55 अरब डॉलर (लगभग 7,97,714 करोड़ रुपये) का अभी तक का सहसे अधिक मासिक कारोबार किया है। यह एक तरह से नया कीर्तिमान है। इसने मई में बनाए गए 91.73 बिलियन डॉलर के अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए यह नया रिकॉर्ड कायम किया है।

इसके साथ ही इसने एक और नया बेंचमार्क स्थापित किया है। जून में इसने अब तक का उच्चतम मासिक कारोबार हासिल किया है। इसके तहत एक महीने में 21,23,014 अनुबंध हो गए हैं। एनएसई ने कहा, यह उपलब्धि भारत की विकास की कहानी के लिए एक बेंचमार्क के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही यह दर्शाता है कि गिफ्ट निफ्टी में वैश्विक रुचि और विश्वास बढ़ा है।

इसमें कहा गया, हमें गिफ्ट निफ्टी की सफलता देखकर खुशी हो रही है और हम सभी प्रतिभागियों को उनके जबरदस्त समर्थन और गिफ्ट निफ्टी को एक सफल अनुबंध बनाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। 3 जुलाई, 2023 को गिफ्ट निफ्टी के फुल स्केल ऑपरेशन पर स्टार्ट होने के बाद से एनएसई आईएक्स पर ट्रेडिंग टर्नओवर तेजी से बढ़ रहा है।

पूर्ण पैमाने पर संचालन के पहले दिन से, गिफ्ट निफ्टी ने 27 जून, 2024 तक 21.06 मिलियन से अधिक अनुबंधों के साथ 881.26 बिलियन डॉलर का कुल कारोबार किया है। गिफ्ट (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) निफ्टी, जिसे पहले एसजीएक्स निफ्टी के नाम से जाना जाता था, भारत के निफ्टी 50 इंडेक्स से जुड़ा एक डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट है। गिफ्ट निफ्टी भारत के वित्तीय परिदृश्य में एक अनूठी अवधारणा है। गुजरात के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र गिफ्ट सिटी में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियां शामिल हैं। गिफ्ट निफ्टी का इस्तेमाल ट्रेडर्स और निवेशक बाजार की भावनाओं को समझने के लिए करत

पीएमआई डाटा, बजट और टेलीकॉम कंपनियों पर होगी इस सप्ताह निवेशकों की नजर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह तेजी वाला रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब दो-दो प्रतिशत उछाल दर्ज किया गया। बाजार में लगातार चौथे सप्ताह तेजी रही। बैंकिंग शेयरों में पिछले सप्ताह जोरदार उछाल देखने को मिला। निफ्टी बैंक सूचकांक में एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कारकों पर निर्भर करेगी। इसमें भारत और अमेरिका के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े शामिल हैं। इसके अलावा आगामी बजट से जुड़े अपडेट और भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियों की ओर से जारी किए जाने वाले मासिक बिक्री के आंकड़ों पर भी निवेशकों की निगाहें होंगी। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार की नजर सीमेंट और टेलीकॉम सेक्टरों की कंपनियों पर हो सकती है। अल्ट्राटेक की ओर से इंडिया सीमेंट में नॉन-कंट्रोलिंग हिस्सेदारी हासिल करने के कारण सीमेंट सेक्टर में कंसोलिडेशन देखने को मिल सकता है। वहीं, सभी टेलीकॉम कंपनियों की ओर से टैरिफ में इजाफा किया गया है। इसका असर इन कंपनियों के मुनाफे में पर भी पड़ेगा। इस वजह से बाजार का फोकस इन कंपनियों पर होगा।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरविंदर सिंह नंदा का कहना है कि चार्ट पर निफ्टी बुलिश लग रहा है। अगर निफ्टी 24,200 अंक के स्तर को पार कर टिकता है तो यह 24,500 अंक और फिर 24,700 अंक के स्तर तक जा सकता है। अगर यह 24,000 अंक के नीचे उतरता है तो फिर 23,800 अंक, 23,600 अंक और फिर 23,400 अंक के स्तर तक भी लुढ़क सकता है। हमें उम्मीद है कि इस सप्ताह निफ्टी 24,600 अंक से 23,600 अंक की रेंज में रह सकता है।

दुनिया पर मंडरा रहा है बड़े वित्तीय संकट का खतरा, डॉलर के ढह जाने का अनुमान

नई दिल्ली। अर्थशास्त्री और लेखक शनमुगनाथन. एन ने दावा किया है कि दुनिया पर एक बहुत बड़े वित्तीय संकट का खतरा मंडरा रहा है। यह खतरा 2007-09 के दौरान के हाउसिंग बबल और उस कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट से भी कई गुना ज्यादा बड़ा होगा। अपने आंकड़ों और शोध परिणामों के आधार पर उन्होंने कहा अमेरिकी डॉलर की बुनियाद भुरभूरी है और कभी भी ढह सकती है। शनमुगनाथन ने दुनिया को फिर से स्वर्ण मानक (गोल्ड स्टैंडर्ड) को अपाने की सलाह दी है।

पब्लिक पॉलिसी थिंकटैंक सेंटर फॉर सिविल सोसायटी द्वारा कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित पुस्तक आरआईपी यूएसडी: 1971-202X.. एंड द वे फॉरवर्ड के विमोचन के दौरान किताब के लेखक शनमुगनाथन एन ने कहा कि अमेरिकी सरकार एक बबल पर पर्दा डालने के लिए लगातार नई मुद्रा छापकर एक के बाद एक कई बड़े बबल तैयार करती जा रही है और इस ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। शनमुगनाथन ने लोगों से भी करेंसी की बजाए अधिक से अधिक मात्रा में सोना रखने की सलाह दी। विमोचन के दौरान उपस्थित लोगों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए स्विश निवेशक और ग्लूम, बूम एंड डूम के संपादक डा. मार्क फेबर ने कहा कि इस बात पर हम सभी सहमत है कि हम एक बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त व्यवस्था वास्तविक अर्थव्यवस्था से आकार में कई गुना ज्यादा बड़ी हो गई है और यह टिकाऊ नहीं है। अर्थशास्त्री क्रिस्टोफर लिंगल ने कहा कि इस पुस्तक में उठाए गए प्रश्नों को गंभीरता से लेने और इस संदर्भ में उपयुक्त कदम उठाने की जरूरत है।

मानसून में फैशन के लिए नायलॉन और पॉलिएस्टर का इस्तेमाल करती हैं विदिशा श्रीवास्तव

मुंबई (एजेंसी)। टीवी के पॉपुलर शो 'भाबीजी घर पर हैं' में गोरी मेम का रोल अदा करने वाली विदिशा श्रीवास्तव ने मानसून फैशन ट्रेंड्स पर बात की। उन्होंने कहा कि वह मानसून में नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसी सिंथेटिक मटेरियल पहनना पसंद करती हैं, क्योंकि वे मॉइश्चर-रेजिस्टेंस है और जल्दी सूख जाते हैं। मानसून फैशन का मतलब है स्टाइलिश और कंफर्टेबल रहते हुए मौसम को एन्जॉय करना।

विदिशा सिटकॉम 'भाबीजी घर पर हैं' में अनीता भाभी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, बारिश के मौसम में, आपको स्टाइल से समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब बारिश शुरू होती है, तो मैं नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसे सिंथेटिक कपड़े पहनना पसंद करती हूं, जो मॉइश्चर को सोख लेते हैं और जल्दी सूख जाते हैं। उन्होंने कहा, मैं बारिश में हैवी कॉटन और वूलन कपड़ों को पहनने से बचती हूं, क्योंकि इन्हें सूखने में ज्यादा समय लगता हैं। मुझे ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए ब्राइट और बोल्ड प्रिंट वाले कपड़े पहनना पसंद है। प्लास्टिक जूलरी इस मौसम में फैशनेबल बने रहने के लिए एक बढ़िया ऑप्शन है। विदिशा ने कहा, मेरा पसंदीदा लुक एक स्टाइलिश वाटरप्रूफ जैकेट है, जिसे कलरफुल वाटरप्रूफ फुटवियर के साथ पेयर करना, और अपने आउटफिट में स्टाइल जोड़ने के लिए एक ट्रेंडी, कॉम्पैक्ट छाता ले जाना न भूलें। वर्कफ्रंट की बात करें तो, विदिशा ने 2007 में एसपी एंटरटेनमेंट की तेलुगु फिल्म 'मां इद्दारी मध्य' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उन्होंने 'अला', 'प्रेम', 'अथिली सत्तीबाबू एलकेजी' जैसे अन्य तेलुगु प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। वह कन्नड़ फिल्म 'नलि नलियुथा' का हिस्सा रहीं। तमिल फिल्मों में उन्होंने 'कथावरायण' और मलयालम फिल्म 'लकी जोकर्स' में भी काम किया है। छोटे पर्दे की बात करें तो उन्होंने टीवी शो 'ये है मोहब्बतें' से शुरुआत की थी। इसके बाद, वह 'मेरी गुड़िया', 'श्रीमद् भागवत महापुराण', 'दुर्गा-माता की छाया' और 'काशीबाई बाजीराव बल्लाल' जैसे टीवी शो में नजर आईं। विदिशा अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखती हैं।

बीसीसीआई ने विश्व विजेता टीम के लिए पुरस्कार का किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बारबाडोस में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराया था और दूसरी बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शनिवार को टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण प्रदर्शन से अपने आलोचकों को चुप करा दिया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों के लिए पुरस्कार का एलान किया है। भारत ने बारबाडोस में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराया था और दूसरी बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम का यह 11 साल में पहला आईसीसी खिताब है।

संपादकीय

हसीना का दूसरा भारत दौरा

भारत में नई सरकार के गठन के बाद भारत की द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आना कई मायनों में सुकूनकारी है। उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के दरम्यान के घनिष्ठ संबंधों को और आगे बढाना है। दोनों देशों ने समुद्र क्षेत्र समेत कई अन्य अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दस समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें डिजिटल क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ करने व हरित साझेदारी के साथ समुद्र विज्ञान, स्वास्थ्य व चिकित्सा, आपदा प्रबंधन व मत्स्य पालन भी इसमें शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा नए क्षेत्रों में सहयोग के वास्ते भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तैयार किया है, जिससे दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा। हसीना ने भारत को विसनीय मित्र बताते हुए 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत सरकार व भारतीयों के योगदान को याद किया। भारत की पड़ोसी पहले की नीति के तहत बांग्लादेश महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देश जल्द नई रेल सेवा व बस सेवा भी चालू करने पर सहमत हैं। पंद्रह दिनों के भीतर हसीना का यह दूसरा भारत दौरा है।

कहा जा रहा है, इस करीबी से चीनी सरकार चिंतित हो सकती है। हालांकि बांग्लादेश के चीन के साथ भी अच्छे संबंध हैं। वह कच्चे माल के मामले में उसका प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। इसके बाद हसीना चीन भी जा रही हैं, परंतु भारत ने भी पिछले आठ वर्षो में बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे के विस्तार में मदद के लिए आठ मिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। 2022-23 के दौरान दोनों देशों के दरम्यान 15.9 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ, जिसके मौजूदा वर्ष में तीव्र गति से बढने की उम्मीद है।

गौर करने वाली बात है कि बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा डेवलपमेंट पार्टनर भी है। हालांकि दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन के बदलावों के चलते जनसांख्यकीय व आर्थिक उथल-पुथल झेल रहे हैं। और ये मसले वाकई दोनों ही देशों के लिए परेशानी का सबब हैं। इस समझौते को विकसित भारत 2047 व स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के व्यापक दृष्टिकोण से देखा जा रहा है।

बांग्लादेशी नौजवानों के लिए भारत सिर्फ बेहतरीन जीवन व रोजगार की स्वप्नगाह भर नहीं है। बल्कि एक छोटे से देश का सामर्थ्यवान हमसाया होने का फर्ज निभा कर भारत अपना बड़प्पन भी बखूबी दर्शा रहा है। साथ ही वह प्रमुख एशियाई देश होने का गौरव भी प्राप्त करते हुए दुश्मनी साधने वाले पाकिस्तान को आईना भी दिखा सकता है।

विकास की रफ्तार को थाम रही महंगाई

महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधने के लिए मौद्रिक नीति समिति ने अपनी समीक्षा में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के दर पर यथावत रखा है। इसके पहले फरवरी, 2023 में इसमें बढ़ोतरी की गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है। जब रेपो दर अधिक होता है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है और लोगों की जेब में पैसे न होने की वजह से वस्तुओं की मांग में कमी आती है और वस्तुओं व उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में कमी आती है, जिससे महंगाई में गिरावट दर्ज की जाती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है और इसके लिए भी रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दें।

मौजूदा समय में महंगाई दर सरकार और रिजर्व बैंक के लिए चिंता का सबब है। केयर एज रेटिंग के अनुसार कर्ज दर के नरम नहीं होने के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में ऋण वृद्धि दर 16 प्रतिशत के आसपास रही है, और वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 14 से 14.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। ऐसी स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद सकारात्मक है। हालांकि, इसे अपवाद वाली स्थिति कहा जा सकता है। बहरहाल, कर्ज देने की रफ्तार में तेजी बनी रहने के कारण आर्थिक गतिविधियों और विकास दर, दोनों में तेजी आ रही है।

इसी वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.00 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2023-2024 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 रही जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही जो रिजर्व बैंक के अनुमान से 1.2 प्रतिशत अधिक है यानी रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत लगाया था। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत रही थी। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार विनिर्माण और खनन के क्षेत्र में मजबूत

प्रदर्शन से आलोच्य अवधि में विकास दर तेज रही। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में माइनस 2.2 प्रतिशत रही थी। खनन क्षेत्र में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 1.9 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खुदरा महंगाई अभी भी चिंता की बात है।

मई महीने में थोक महंगाई बढ़कर 15 महीनों के ऊपरी स्तर 2.61 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई जबकि फरवरी, 2023 में यह 3.85 रही थी। वहीं, अप्रैल 2024 में यह 1.26 प्रतिशत रही जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। मार्च, 2024 में यह 0.53 रही और फरवरी महीने में 0.20 प्रतिशत। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 12 जून, 2024 को खुदरा महंगाई का आंकड़ा जारी किया था, जिसके अनुसार मई महीने में खुदरा महंगाई 4.75 प्रतिशत रही जो 12 महीने का निचला स्तर था। अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई में कुछ कमी आई थी, लेकिन वह मई महीने से थोड़ी अधिक 4.83 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में खुदरा महंगाई 4.81 प्रतिशत थी जबकि जुलाई, 2023 में यह 4.44 प्रतिशत रही थी। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर या खरीदने की क्षमता से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपये का मूल्य सिर्फ 94 रुपये होगा।

इसलिए महंगाई के स्तर के अनुरूप निवेशकों को निवेश करना चाहिए अन्यथा उन्हें प्रतिफल कम मिलेगा। महंगाई का बढ़ना-घटना उत्पाद की मांग-आपूर्ति पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो ज्यादा उत्पाद खरीदेंगे और ज्यादा उत्पाद खरीदने से मांग बढ़ेगी और मांग के मुताबिक आपूर्ति नहीं होने पर उत्पादों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह, बाजार महंगाई के दुष्चक्र में फंस जाएगा। बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या उत्पाद की कमी महंगाई का कारण बनता है। वहीं, अगर मांग कम होगी और आपूर्ति ज्यादा होगी तो महंगाई कम होगी। ग्राहक खुदरा बाजार से सामान खरीदते हैं और बाजार में मौजूद उत्पादों की कीमत में हुए बदलाव को मापने का काम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) करता है। उत्पाद और सेवाओं के लिए जो औसत मूल्य चुकाया जाता है, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, उत्पादों की कीमतों, निर्माण की लागत के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जो खुदरा महंगाई दर को तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में लगभग 300 उत्पाद ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर खुदरा महंगाई दर तय होती है। इस तरह, किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम होती है। फिर, उनकी बिक्री कम हो जाती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है, आदि। इससे आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं, और विकास की गति बाधित होती है।

विगत कुछ महीनों से उधारी ब्याज दर के उच्च स्तर पर बने रहने के बावजूद ऋण वितरण में तेजी है और विकास दर की रफ्तार भी तेज बनी हुई है। वैसे, ऐसी स्थिति अपवाद वाली है। एचएसबीसी इंडिया का पीएमआई आंकड़ा मई, 2024 में 57.5 प्वॉइंट रहा, जो अप्रैल, महीने में 58.8 प्वॉइंट था, वहीं, कंपोजिट पीएमआई मई, 2024 में 60.50 प्वॉइंट था, जो अप्रैल 2024 में 61.50 प्वॉइंट रहा था। आंकड़ों से साफ है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। भारत में मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक द्वारा तय की गई सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के बावजूद चिंताजनक स्तर पर है। इसलिए, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा गया है। मंहगाई को लेकर केंद्रीय बैंक बहुत ज्यादा संवेदनशील है, और यह महंगाई और विकास दर के बीच संतुलन बनाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत रखना चाहता है, ताकि आम आदमी को परेशानी भी नहीं हो और विकास की रफ्तार भी तेज बनी रहे।

मतदाताओं ने मोदी को बदलने का दिया मैसेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी शपथ को बीस दिन हो गए है। केबिनेट, संसद की बैठक, स्पीकर चुनाव और राष्ट्रपति का अभिभाषण सब हो गया है। तो सोचे, क्या आपको कोई एक भी क्षण, एक भी घटना, एक भी चेहरा, एक भी जुमला और एक भी ऐसा परिवर्तन दिखलाई दिया जिससे लगा मानों ताजा हवा का झौका हो। क्या केबिनेट में कुछ नया, ताजा दिखा? क्या प्रधानमंत्री दफ्तर, सरकार की आला नौकरशाही में कोई परिवर्तन झलका? ऐसी कोई नई प्राथमिकता, नया मुद्दा, नया विषय प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के मुंह से निकला जिससे लगे कि जिन बातों (रोजगार, महंगाई, बेहाल जिंदगी, नौजवान आबादी, किसान, मजदूर, मध्यवर्ग आदि) पर मतदाताओं ने मोदी के चार सौ पार के नारे को नकारा, तो उससे सबक सीख कर जिंदगी के रियल मसलों पर मोदी 3०में नया कुछ बनने की संभावना है?

इस बात को इस तरह भी रख सकते है कि मतदाताओं ने नरेंद्र मोदी को बदलने का मैसेज दिया, विपक्ष में दम भरा तो शासन और राजनीति में आम रायसे, सबसे सलाह करके, सबसे पूछ कर निर्णय का नया सिलसिला बनना चाहिए था या नहीं? उस नाते क्या नरेंद्र मोदी को अपने को रिइंवेंट नहीं करना था? भाषण कम करके, विपक्ष से पंगा कम ले और सर्वानुमति बना कर राज करने का नया अंदाज। मैं, मैं भगवान, मैं महान की बजाय हम, एनडीए, भाजपा और पक्ष-विपक्ष सब एक ही देश के अंशधारी है, यह सोचते हुए सबका साझा,सबका साथ, और सबके विकास की जुमलेबाजी को नई तरह से गढ़ा जाना चाहिए था। मतलब प्रधानमंत्री खुद ही विपक्ष से बात करके, विपक्षी नेताओं को बुलाकर आम राय से ऐसा स्पीकर बनाते जिससे संसद की आभा बढ़ती। बुद्धी, मेघा, अंग्रेजी-हिंदी की भाषागत प्रवीणताओं और व्यवहार से वैश्विक जमात, मंच और संगठनों में भारत की उपस्थिति मौजूदगी हो तो दुनिया को लगे कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का स्पीकर कैसा भव्य व्यक्तित्व लिए हुए है।

क्या आपको लगता है ऐसी कोई भी चिंता या दिल-दिमाग में सोच का परिवर्तन नरेंद्र मोदी3०में आया है? असलियत में बीस दिनों में नरेंद्र मोदी ने हर वास्तनिकता से मुंह चुराया है। चुनाव नतीजों के बाद नरेंद्र मोदी ने न तो भाजपा के पदाधिकारियों से सीधे-सीधे बात की और न भाजपा संसदीय दल की बैठक

बुला कर उसमें नतीजों और नए नेता के चुनाव पर विचार किया। न ही संघ परिवार के पदाधिकारियों को बुला कर उनके साथ विचार, सलाह और परस्पर विश्वास बनाने जैसी कोई पहल की। विपक्ष और विपक्ष की सबसे पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष से सीधी बात करने की हिम्मत नहीं दिखाई। राजनाथसिंह को आगे करके सहयोगी दलों और विपक्षी नेंताओं से दिखावे का सलाह-मशविरा था। किया वही जो मन में था।सभी निर्णय उसी ढर्रे में जो पिछले कार्यकाल से चला आ रहा है।

इसलिए भाजपा के भीतर या सरकार में या संसद में वही होगा जो पहले होता आया है। नई सरकार का पालने में बीस दिनों के लक्षण वही है जो दस सालों का ढर्रा है। यह स्वभाविक है इसलिए क्योंकि नरेंद्र मोदी के लिए तीसरी दफा शपथ लेना ही परम संतोष याकि यह लक्ष्य प्राप्त है देखों, देखों मैंने जवाहरलाल नेहरू की तरह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का कीर्तिमान बना लिया। मुझे इतिहास वैसे ही याद रखेगा जैसे नेहरू को रखता है!मतलब जैसे गांव, पंचायत में होता है कि यदि कोई सरंपच, लगातार दस-पंद्रह साल लगातार पद पर बना रहे तो वह और उसका परिवार अपने को इलाके का राजा हुआ मानता है और एसडीओ, बीडीओं तथा लोग सब उसके अंहम के कसीदे काढ़ते है। वैसे ही मनोभाव में नरेंद्र मोदी अपने प्रधानमंत्रित्व का तीसरा टर्म इस सोच में पूरा करेंगे कि जब तीसरी बार बन गए है तो ऐसा होना उनके 2014 से अपनाएं तौर-तरीकों और शासन की बदौलत ही तो है। इसलिए ढर्रा याकि यथास्थिति याकि बासी कढ़ी ही भारत का अमृत है। हिंदुओं और भक्तों की परम सिद्धी है तो कुछ बदलने की, या नया कुछ करने की भला क्या जरूरत है? शपथ हो गई है न। इसका अहसास कराने के लिए ही नरेंद्र मोदी ने शपथ समारोह को ज्यादा भीड़भरा और भारत के भीड़ चरित्र को उद्घाटित करने वाला बनाया। फिर बिना किसी एजेंडे के जबरदस्ती जी-7 की बैठक में भी चले गए। अब अगले महिने पुतिन से मिलेंगे तो बाद में चीन शी जिन पिंग के साथ भी फोटोशूट करवाएंगे।

लाख टके का सवाल है कि जनादेश से नरेंद्र मोदी पर जमीन पर उतरे है या वे अपने को भगवान माने रहेंगे? पहली बात, जो व्यक्ति अपने को भगवान मान लेता है वह दिमाग में कभी यह पुर्नविचार नहीं लाता कि वह भगवान है या नहीं? दूसरी बात, भक्त वोटों के लिए बतौर भगवान उनका ब्रांड जब स्थापित है तो उनके दिल-दिमाग में क्यों हलचल पैदा की जाए? तीसरी बात, भगवान रहने का फायदा है कि बाकि सभी काम व्यवस्थापक और पुजारियों से संपन्न होता रहेगा। अमित शाह, राजनाथसिंह या प्रदेशों में अपने द्वारा स्थापित खड़ाऊ मुख्यमंत्रियों से जब मजे से काम चल रहा है तो भगवान क्यों इहलोक की बातों मतलब नीट परीक्षा, भीषण गर्मी या बाढ़, महंगाई, बेरोजगारी आदि की चिंता करें। भगवान को जरूरत ही नहींहै भव्य व्यक्तित्वों की केबिनेट, स्पीकर, राष्ट्रपति या काबिल-समर्थ अफसरों की। भगवान की लीला से सब ऑटो मोड में दस वर्षों में चलता हुआ है तो ये पांच साल भी चलेंगे। जाहिर है हम भारतीयों की, विशेषकर हिंदुओं की नियति तय है। कुछ भी नया, कुछ भी अच्छा नहीं है मगर आस्था तो है कि सब प्रभु कृपा।

पेले और माराडोना जैसे बने विराट

विराट कोहली से हर क्रिकेटर को रश्क होगा। फॉर्म व फिटनेस के लिहाज से वह अभी कुछ और साल ट्वंटी-20 मजे से खेल सकते थे, पर उन्होंने युवा खिलाड़ियों को अवसर देने की गरज से इस 'फॉर्मेट' से संन्यास ले लिया। ऐसी शानदार विदाई विरले ही देखने को मिलती है। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने साल 2018 में 34 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सनसनी पैदा कर दी थी, तब वह अपने करियर के शिखर पर थे। उनकी फिटनेस के तो क्या ही कहने! अमेरिका के महान बास्केटबॉल प्लेयर माइकल जॉर्डन से लेकर टेनिस के सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में शुमार स्वीडन के ब्योर्न बोर्ग ने ऐसे ही विदाई ली। बोर्ग ने तो 26 साल की उम्र में टेनिस की दुनिया को विदा कह दिया था।

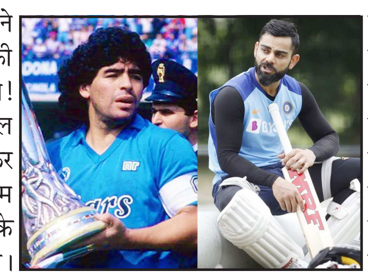

पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार में भारतीय जीवन बीमा निगम के मुलाजिमों की एलआईसी कॉलोनी में 239 नंबर घर के आगे अपने क्रिकेट खेल की शुरुआत करने वाले कोहली ने ट्वंटी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार पारी खेलकर एक बार फिर सिद्ध किया कि वह 'बिग मैच प्लेयर' हैं। वह कभी भी फॉर्म में वापसी करने की कुव्वत रखते हैं। विराट इसलिए ही महान नहीं हैंकि उनके आंकड़े शानदार हैं, वह महान पेले व डिएगो माराडोना के कद के खिलाड़ी इसलिए बनते हैं, क्योंकि सेमी-फाइनल और फाइनल जैसे अहम मैचों में छा जाते हैं। मेहनत तो सभी खिलाड़ी करते हैं, पर महान खिलाड़ी उसे ही माना जाता है, जो विपरीत हालात और बड़े मैचों में शानदार खेल दिखाए। पेले और माराडोना के करियर को देख लें, वे खास मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते थे। विराट कमजोर मानी जाने वाली टीमों के विरुद्ध जल्दी आउट हो जाते हैं, पर जब चुनौती बड़ी होती है, तब उनका खेल देखिए।

विराट कोहली अब विश्व नागरिक बन चुके हैं। उन्हें उन सभी देशों में खूब पसंद किया जाता है, जहां पर क्रिकेट का खेल खेला जाता है। दुनिया के तमाम बड़े खिलाड़ियों के साथ यही होता है। वे सबके होते हैं और सब उसके होते हैं। यहां धावक उसेन बोल्ट को याद कीजिए। उन्हें भारत में उतना ही अपना माना जाता है, जितना किसी अन्य देश में। वैसे वह मूलतः जमैका से हैं। विराट कोहली भी उस बुलंदी पर पहुंच गए हैं, जहां विपक्षी टीमें उन्हें भरपूर प्रेम और सम्मान देती हैं। पाकिस्तान में भी विराट के लाखों चाहने वाले हैं। दरअसल, खेलों की यही खूबी है। देश की सीमाओं से आगे वे इंसानी भावनाओं को जोड़ देते हैं। विराट कोहली के व्यक्तित्व का एक और पहलू है, जो कम आकर्षक नहीं। जब वह क्रिकेट नहीं खेल रहे होते और फुरसत में होते हैं, तो सपरिवार वृंदावन निकल जाते हैं। वृंदावन में श्रीप्रेमानंद जी महाराज का आशीर्वाद लेते उनका वीडियो वायरल हो चुका है। वह अक्सर ऋषिकेश में गंगा तट पर बने दयानंद गिरि आश्रम पहुंच जाते हैं। कुछ समय पहले वह उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान शिव की सुबह चार बजे होने वाली भस्म आरती में भाग लेते दिखे थे। धर्म में अपनी गहरी आस्था को विराट कभी नहीं छिपाते। अब जब उन्होंने ट्वंटी-20 फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, तो उनकी इस घोषणा से उनके करोड़ों चाहने वाले जरूर उदास हुए होंगे, मगर अभी वह एकदिवसीय क्रिकेट और टेस्ट मैच खेलते रहेंगे।

मैं अपने दल से कतई अलग नहीं रह सकता

संविधान के अंतर्गत निर्वाचित भारतीय गणतंत्र की पहली संसद का अध्यक्ष चुनकर माननीय सदस्यों ने जो मेरा सम्मान किया है, उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। इस पद के कर्तव्यों, उत्तरदायित्वों तथा कठिनाइयों पर जब मैं दृष्टिपात करता हूं, तो मुझे एक प्रकार की घबराहट अथवा संभ्रांति हो जाती है, किंतु सदन की उदारता तथा आपके सहयोग की बात को ध्यान में रखते हुए मैं यह भार उठाने के लिए उत्साहित हूं।...

हमें ध्यान में रखना होगा कि हम यहां जनता के प्रतिनिधि होकर आए हैं तथा हमारा लक्ष्य उनके लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व प्राप्त करना है, जैसा कि संविधान की प्रस्तावना में दिया गया है। इसी पृष्ठभूमि में हमें अपनी संपूर्ण गतिविधियों को देखना है तथा यदि हम इसके बारे में सचेत रहें, तो संसदीय लोकतंत्र के लिए उचित वातावरण तैयार हो सकता है। लोकतंत्र का अर्थ चर्चा द्वारा शासन करना है। प्रत्येक सदस्य को अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अधिकार है। इसी तरह उसे स्मरण रखना चाहिए कि दूसरे सदस्य को भी यही अधिकार प्राप्त है। इसलिए वाद-विवादों को उपयोगी, लाभकर तथा प्रभावी बनाने के लिए यह आवश्यक है कि हम संयम, सद्भावना तथा उदारता से काम करें। इसका परिणाम एक अनुशासित मन होगा, जो असंख्य संसदीय नियमों का पालन करेगा, जितनी ही सदस्यों में सहिष्णुता होगी तथा एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने की इच्छा होगी, संसदीय शासन उतना ही सफल हो सकता है।

हमारे संविधान ने हमारी संसद का ढांचा अंग्रेजी नमूने के आधार पर बनाया है। हमारे विधानमंडल ऐतिहासिक कारणों के लिए उसी ढांचे के आधार पर बने हैं। ब्रिटिश लोकसभा की प्रक्रिया, नियम आदि उस संस्था के चिरकाल के अनुभव का परिणाम हैं। जहां तक उन प्रथाओं और परंपराओं का मानव प्रकृति से संबंध है, वे हमारे लिए लाभकर हो सकती हैं, किंतु ऐसी भी परंपराएं तथा प्रथाएं हैं, जिनका संबंध उनके स्वतंत्रता आंदोलन से है...।

हमारे देश में संसदीय जीवन हाल ही में शुरू हुआ है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम स्वस्थ परंपराएं स्थापित करें, उनका आदर तथा पालन करें, क्योंकि वे आने वाली संततियों के लिए पूर्व प्रथा का काम देंगी। देश में स्थिर सरकार बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। इंग्लैंड में अध्यक्ष एक निर्दलीय व्यक्ति होता है, किंतु यह परंपरा वर्षों के संघर्ष के पश्चात स्थापित की गई है तथा इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी है। जहां मैं इस आदर्श की स्थापना के लिए प्रयत्नशील रहूंगा, वहीं हमारे देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति में इंग्लैंड के स्पीकर जैसा निर्दलीय व्यक्ति का अध्यक्ष रहना संभव नहीं है।

दल छोड़कर लोकसभा अध्यक्ष बनना चाहिए

अध्यक्ष महोदय (जीवी मावलंकर) पूर्व वक्ताओं के साथ-साथ मैं भी आपको लोकसभा अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं तथा श्रद्धा अर्पित करता हूं। आप इस पद के लिए कोई नवागन्तुक तो नहीं हैं। आप भूतपूर्व केंद्रीय धारा सभा के अध्यक्ष तथा बाद में अस्थायी संसद के अध्यक्ष रह चुके हैं, जिस हैसियत में आपको उचित परंपराओं तथा प्रथाओं की स्थापना करनी पड़ी है। अतः स्वतंत्र भारत की पहली निर्वाचित संसद का अध्यक्ष निर्वाचित होने का भी आपको सौभाग्य प्राप्त हुआ है। वास्तव में, भारत के सांविधानिक इतिहास में आपका एक अपना विशिष्ट स्थान है।

मुझे तनिक भी संदेह नहीं कि आपके हाथ में माननीय सदस्यों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। हम सामान्यतः ब्रिटिश लोकसभा की प्रथाओं तथा परंपराओं का ही अनुसरण करते रहेंगे, किंतु ऐसी परिस्थितियों के उत्पन्न होने की संभावना है, जब हमें उन परंपराओं में परिवर्तन करके अपनी स्वयं की प्रथाएं स्थापित करने की आवश्यकता पड़ेगी, क्योंकि हमारा परम लक्ष्य जन-साधारण का कल्याण तथा देश की प्रगति है।

अध्यक्ष का निर्वाचन जिस ढंग से हुआ है, मैं उससे अधिक प्रसन्न नहीं हूं। यदि आप एक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में खड़े न होकर एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में पुनर्निर्वाचन के लिए खड़े होते, तो हमें अधिक प्रसन्नता होती। सारे संसार की यह मानी हुई परंपरा है तथा अध्यक्ष का कोई विरोध नहीं करता है। यदि इस सदन के नेता निर्वाचन के लिए आपका नाम प्रस्तुत करने से पूर्व विरोधी दल से परामर्श कर लेते, तो शायद अध्यक्ष का निर्वाचन सर्वसम्मति से हो जाता। मुझे मालूम नहीं है कि ऐसा क्यों नहीं किया गया। कहने का आशय यह है कि परंपराओं तथा प्रथाओं की स्थापना तथा पालन करना हम सबका कर्तव्य होना चाहिए, चाहे हम सरकारी पक्ष में बैठे हों अथवा विरोधी पक्ष में।

स्वतंत्र भारत में यह पहला अवसर है, जब संसद में विरोधी दल के सदस्यों की संख्या काफी अधिक है, यद्यपि यह मानी हुई बात है कि सरकारी पक्ष के पास सदन में भारी बहुमत है। ऐसी दशा में श्रीमान, आप इस बात की ओर ध्यान देंगे कि सरकारी तथा विरोधी, दोनों पक्षों द्वारा परंपराओं तथा प्रथाओं का पालन किया जाए। लोकतंत्र के विकास के लिए यह आवश्यक है। ऐसे कठिन कार्य में, श्रीमान, यह आपका कार्य है कि आप सदन की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाएं, जिससे कि यद्यपि कुछ मामलों में हमारे पारस्परिक मतभेद हों, किंतु हमें अपने विचार सदन के समक्ष रखने का तथा सरकार की मनमानी कार्रवाइयों को किसी हद तक रोकने का मौका मिले। श्रीमान, मैं विरोधी दल के सदस्यों की ओर से आपको आश्वासन दिलाना चाहता हूं कि सदन की शान तथा इसके अधिकारों के लिए उचित परंपराएं तथा प्रथाएं स्थापित करने के आपके प्रयत्न में वे सदैव आपको सहयोग देते रहेंगे।...

यहां पर अनेक दलों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। हमारे दृष्टिकोण भिन्न हैं, किंतु देशहित के लिए हमें ऐसा निश्चय करना चाहिए, जिससे हमारी सामान्य जनता को लाभ पहुंचे। यदि हम अपने मतभेदों को दूर न कर सके, तो अवश्य ही तानाशाही का इस देश में राज्य होगा। ...हमें कानून का सम्मान करना चाहिए और यह बात ठीक भी है। इस संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को मानना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, किंतु यहां पर कानून इस प्रकार से बनाए जाने चाहिए, जिसमें उसे प्रत्येक दल का सहयोग प्राप्त रहे। यदि बहुमत के बल पर कानून बनाए गए- जिन्हें साधारण जनता पसंद नहीं करती- तो उन्हें अवश्य ही भंग किया जाएगा। कानूनों को हिंसक ढंग से नहीं, अहिंसक ढंग से भंग किया जाएगा, किंतु मैं आशा करता हूं, हम सब अपना-अपना कर्तव्य ठीक प्रकार से निभा सकेंगे। मतभेदों के होते हुए भी हम ऐसे निश्चय पर पहुंचेंगे, जिससे जन साधारण को लाभ होगा।

(लोकसभा में श्यामा प्रसाद मुखर्जी, वरिष्ठ नेता व सांसद दिए गए दो उद्बोधनों के अंश)

क्या बारिश में नहीं खानी चाहिए हरी पत्तेदार सब्जियां? डाइटिशियन ने बताई हैरान करने वाली बात

बारिश में लोगों को हरी सब्जियां अच्छी तरह साफ करके खानी चाहिए.बारिश में लोगों को हरी सब्जियां अच्छी तरह साफ करके खानी चाहिए.

बरसात का मौसम शुरू होने के साथ ही सब्जियों की कीमतों में उछाल आने लगा है. इस मौसम में फल और सब्जियां खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है, जिसकी वजह से लोग इन चीजों का जमकर सेवन करते हैं. बरसात में जगह-जगह पानी भरने और कीचड़ होने से कई तरह की बीमारियां फैलने लगती हैं. हालांकि कई लोग यह मानते हैं कि बरसात में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कम से कम करना चाहिए. क्या वाकई हरी सब्जियां इस मौसम में अवॉइड करनी चाहिए? इस बारे में डाइटिशियन से जरूरी बातें जान लेते हैं.

नोएडा के डाइट मंत्रा की क्लीनिक की फाउंडर और सीनियर डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने हृद्द2ह्य18 को बताया कि हरी पत्तेदार सब्जियां हमारी सेहत के लिए बेहद लाभकारी होती हैं. इनमें पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है, जिससे शरीर को मजबूती मिलती है. बारिश के मौसम में भी फल और सब्जियां खाने से सेहत को फायदा होता है. हालांकि बरसात में हरी सब्जियां खाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. बारिश की वजह से हरी पत्तेदार सब्जियों में कीड़े चिपक जाते हैं और इसलिए उन्हें गुनगुने पानी से अच्छी तरह साफ करने के बाद ही इस्तेमाल करना चाहिए.

डाइटिशियन कामिनी ने बताया कि सिर्फ हरी पत्तेदार सब्जियों की ही नहीं, बल्कि सभी सब्जी और फलों को भी गुनगुने या पानी में नमक डालकर साफ करना चाहिए. इससे इन चीजों पर चिपके कीड़े और गंदगी साफ हो जाएगी. बारिश में खाने-पीने में हाइजीन को लेकर कोई भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए. वरना इससे टाइफाइड, पेट में इंफेक्शन समेत कई परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है. बरसात में खाने-पीने को लेकर सावधानी बरतेंगे, तो हेल्दी रहेंगे और बीमारियों का जोखिम भी कम हो जाएगा. हर उम्र के लोगों को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

जहां आयुर्वेद की प्राचीन और इंडोर पद्धति से मरीज का इलाज किया जाएगा. इसमें मरीज के सभी अंगों का इलाज भर्ती कर किया जाता है।

एक्सपर्ट की मानें तो जिन लोगों की इम्यूनिटी वीक है या जो लोग गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, उन लोगों को इस मौसम में ज्यादा अलर्ट रहना चाहिए. टीबी और कैंसर के मरीजों को अपने खान-पान को लेकर सख्ती बरतनी चाहिए. सभी लोगों को इस मौसम में बाहर का खाना अवॉइड करना चाहिए. इसके अलावा सभी को साफ पानी पीना चाहिए और घर का बना ताजा फूड खाना चाहिए.

उमस और कीचड़ में जिम जाने का नहीं कर रहा मन, घर पर ही करें 5 एक्सरसाइज

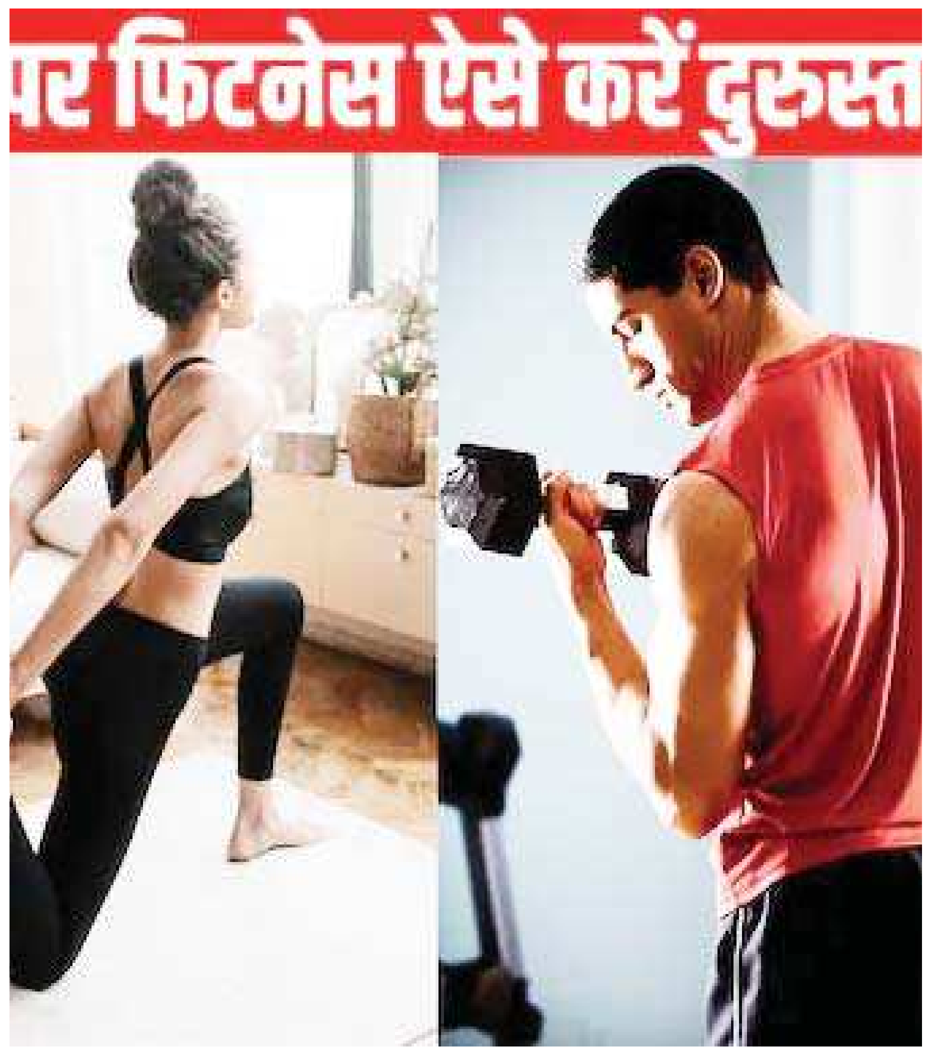

घर पर कुछ आसान एक्सरसाइज करने से गजब के फायदे मिल सकते हैं.घर पर कुछ आसान एक्सरसाइज करने से गजब के फायदे मिल सकते हैं.

बारिश की वजह से कई जगहों पर जलभराव हो गया है और वातावरण में काफी उमस बढ़ गई है. इसकी वजह से लोग पसीने से बेहाल हो गए हैं. इस मौसम में बीच-बीच में धूप भी निकल रही है और गर्मी भी पड़ रही है. ऐसे मौसम में बड़ी संख्या में लोग जिम जाने से बच रहे हैं और घर पर रुक रहे हैं. हालांकि ऐसा करना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. नियमित रूप से एक्सरसाइज करना शरीर के लिए जरूरी है. अगर आप भी गर्मी, उमस, बारिश और कीचड़ की वजह से घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं, तो आप घर पर ही कुछ एक्सरसाइज कर सकते हैं. इससे फिटनेस बेहतर होगी और बाहर जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी.

नोएडा की फोर्टियर फिटनेस एकेडमी के ट्रेनर देव सिंह ने हृद्द2ह्य18 को बताया कि बरसात के मौसम में अगर लोग किसी भी वजह से जिम नहीं आना चाह रहे हैं, तो वे घर पर रहकर भी कई सिंपल वर्कआउट कर सकते हैं. इससे उनकी मसल्स को मजबूती मिलेगी और ओवरऑल हेल्थ को फायदे मिलेंगे. घर पर जिम जैसी मशीनें और अन्य सुविधाएं नहीं होती हैं, ऐसे में लोगों को सिंपल वर्कआउट करने की कोशिश करनी चाहिए. वर्कआउट किसी भी तरह का हो, उससे शरीर एक्टिव रहता है और कई तरह के फायदे मिलते हैं. हर उम्र के लोग घर के अंदर कोई न कोई फिजिकल एक्टिविटी कर सकते हैं.

घर पर इन 5 एक्सरसाइज से बेहतर रखें फिटनेस

- जिम ट्रेनर की मानें तो स्क्वाट्स सबसे आसान एक्सरसाइज है, जिसे सभी लोग आसानी के साथ कर सकते हैं. आप घर पर 10-10 स्क्वाट्स के 2-3 सेट कर सकते हैं. इससे आपके पैरों की मसल्स को मजबूती मिलेगी और शरीर का कमर से नीचे का हिस्सा स्ट्रॉन्ग बनेगा.

- दूसरी सबसे आसान और अच्छी एक्सरसाइज पुश-अप्स है. पुश अप्स करने से आपके सीने और कंधों को मजबूती मिलती है. इस एक्सरसाइज को आप घर पर बिना किसी इक्विपमेंट के कर सकते हैं. आप घर पर 10-15 पुशअप्स के 2-3 सेट लगा सकते हैं.

- जंपिंग जैक्स के जरिए भी आप घर पर अपनी फिटनेस को बेहतर बना सकते हैं. इसे कार्डियो वर्कआउट में शुमार किया जाता है. माना जाता है कि जंपिंग जैक्स से आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूती मिलती है और वजन घटाने में मदद मिलती है. आप रोजाना घर पर इसके तीन सेट लगाएं.

- लंजेस एक आसान और असरदार एक्सरसाइज है, जिससे आपकी बॉडी का बैलेंस बेहतर होने लगता है. हालांकि अगर किसी को घुटनों में परेशानी है या उम्र बहुत ज्यादा है, तो इस एक्सरसाइज को अवॉइड करें. स्वस्थ लोग रोजाना लंजेस के 3 सेट लगा सकते हैं.

- प्लैंक भी एक शानदार एक्सरसाइज है, जिसकी प्रैक्टिस आप घर पर कर सकते हैं. प्लैंक से आपके शरीर की कोर मसल्स को मजबूत बनाने में मदद मिलती है. इसे आप किसी भी जगह बिना किसी इक्विपमेंट के आसानी से कर सकते हैं. कोर मसल्स मजबूत बनाने के लिए प्लैंक के रोजाना 3 सेट लगाएं.

घूमने निकली महिला हुई सन पॉइजनिंग की शिकार, इन लोगों में बढ़ता है स्किन कैंसर का खतरा

ग्रैन कैनरिया में छुट्टियां बिताने गई एक महिला ने बताया कि वह सन पॉइजनिंग की शिकार हो गई है. टिकटॉक पर ञ्चद्यद्यद्बश्दद्दह्लद्बद्दठ्ठ नाम की महिला ने बताया कि उन्हें ङ्क रेडिएशन के बेहद बुरे प्रभावों का सामना करना पड़ा है. स्द्बह्लश्रह्ल.ष्ठ.ह्वद्म की एक रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने तस्वीरें और वीडियो शेयर की है, जिसमें दिखाया गया कि सूरज की चिलचिलाती गर्मी के कारण उसकी त्वचा खराब हो रही है. इसकी शुरुआत उनके माथे पर सूजन से हुई लेकिन अगली सुबह उनकी हालत बिगड़ने लगी. अब आंखें सूजने लगी हैं और शरीर की पूरी त्वचा जलने लगी है और इसी को सन पॉइजनिंग कहा गया. महिला ने सन पॉइजनिंग को लेकर चेतावनी दी और सनस्क्रीन लगाने पर जोर दिया. आइए जानते हैं क्या है सन पॉइजनिंगज

गंभीर सनबर्न को ही सन पॉइजनिंग कहा जाता है. यह तब होता है जब आप लंबे समय तक बिना किसी सुरक्षा के यूवी किरणों के संपर्क में रहते हैं. अधिक गोरे लोग सन पॉइजनिंग के शिकार हो सकते हैं. जिन लोगों की त्वचा गोरी होती है उनमें मेलेनिन कम होता है, वे इस रोग से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं. ऐसे लोगों को सूरज की तेज गर्मी के लगातार संपर्क में रहने से स्किन कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है.

आइए जानते हैं सन पॉइजनिंग के लक्षण और बचाव

सन पॉइजनिंग से छाले, तेज दर्द, सूजन और बुखार हो सकते है.

सिरदर्द, मतली और उल्टी

बुखार या ठंड लगना

डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी से हो सकता है.

स्किन इंफेक्शन

बारिश में प्रेग्नेंट महिलाओं को बीमारियों का खतरा ज्यादा, भूलकर भी...

भूलकर भी न खाएं बाहर का खाना, 5 बातें रखें ध्यान

बरसात का मौसम प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए खासा मुश्किल माना जाता है. इस मौसम में उन्हें इंफेक्शन का डर सताता है, क्योंकि इससे गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी सीधा असर पड़ता है. बरसात में अत्यधिक उमस गर्भवती महिलाओं को बेहद अनकंफर्टेबल कर सकती है, लेकिन इससे निजात पाने के लिए सही कपड़े पहनने चाहिए. आज डॉक्टर से जानने की कोशिश करते हैं कि बारिश के मौसम में प्रेग्नेंट महिलाओं को किन परेशानियों का खतरा ज्यादा होता है और उनसे किस तरह बचा जा सकता है.

नई दिल्ली के फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. मधु गोयल ने News18 को बताया कि बरसात का मौसम में प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए कई परेशानियां लेकर आता है. इस मौसम में प्रेग्नेंट महिलाओं को यूरिनरी और वजाइनल इंफेक्शन समेत कई तरह के इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है. सर्दी-जुकाम और पेट खराब होने का रिस्क भी इस मौसम में बढ़ जाता है. घर के आसपास पानी भरने की वजह से डेंगू, मलेरिया और मच्छरों से होने वाली अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. प्रेग्नेंट महिलाओं को घर के अंदर और बाहर चलने-फिरने में भी सावधानी बरतनी चाहिए.डॉक्टर मधु ने बताया कि प्रेग्नेंट महिलाओं को बाहर का खाना बिल्कुल नहीं खाना चाहिए. बरसात में बाहर का खाना इंफेक्शंस की वजह बन सकता है. प्रेग्नेंसी में हमेशा घर का बना ताजा खाना खाएं और प्रतिदिन 3-4 लीटर पानी पिएं. पर्याप्त पानी पीने से यूरिनरी और वजाइनल इंफेक्शन से बचाव करने में मदद मिल सकती है. अगर मौसम ठंडा हो जाए तो एयर कंडीशनर न चलाएं. इस दौरान चाय-सूप का सेवन करने से शरीर गर्म रहेगा और राहत मिलेगी. इस मौसम में मच्छरों से बचें. प्रॉपर कपड़े पहनें और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें. इस मौसम में वॉक हमेशा ड्राई एरिया या घर के अंदर ही करें.हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो गर्भवती महिलाओं को बाहर जाते वक्त सही जूते पहनने चाहिए, ताकि फिसलने का खतरा कम हो. वॉक पर किसी को साथ लेकर जाना चाहिए.

डाइट की बात करें तो इस मौसम में फल-सब्जियां खानी चाहिए और फ्लूड की मात्रा बढ़ानी चाहिए. इस मौसम में सब्जियों का सूप लाभकारी हो सकता है. इसके अलावा आयरन, कैल्शियम की दवाएं समय से लें और रेगुलर चेकअप कराएं. अगर यूरिन में किसी तरह की जलन, दर्द या असहजता महसूस हो, तो तुरंत गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर कंसल्ट करें.

पुरुषों के लिए बेहद जरूरी होता है टेस्टोस्टेरोन हार्मोन,कमी से हड्डियां होगीं कमजोर

टेस्टोस्टेरोन एक ऐसा हार्मोन होता है, जो महिलाओं और पुरुषों दोनों में पाया जाता है। इस हार्मोन की कमी से व्यक्ति को ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ सकता है। आप कुछ हेल्दी आदतें अपनाकर इस हार्मोन को बैलेंस कर सकते हैं।

टेस्टोस्टेरोन एक ऐसा हार्मोन होता है, जो महिलाओं और पुरुषों दोनों में पाया जाता है। लेकिन यह पुरुषों में अधिक मात्रा में पाया जाता है। वहीं अगर किसी पुरुष के अंदर टेस्टोस्टेरोन हार्मोन की कमी होती है, तो उनके साथ बाल झड़ने की समस्या और थकान आदि की समस्या देखने को मिल सकती है। इस हार्मोन की कमी से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और व्यक्ति को ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ सकता है।

वहीं शरीर में इस हार्मोन की कमी न हो, इसके लिए अपनी लाइफस्टाइल में सही आदतों को अपनाना बेहद जरूरी होता है। तो आइए जानते हैं कि किन हेल्दी आदतों को अपनाकर टेस्टोस्टेरोन की कमी को पूरा कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट-हर व्यक्ति को हेल्दी और पोषण वाली डाइट लेनी चाहिए। डाइट ऐसी होनी चाहिए कि उसमें सभी तरह के मिनरल्स, विटामिन्स, विटामिन डी, मैग्नीशियम और जिंक आदि पर्याप्त मात्रा में हो। अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, मेवे, सब्जियां, दाल, मछली और अंडा आदि शामिल करें। इस तरह की हेल्दी डाइट लेने से आपके शरीर में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन की कमी नहीं होगी।

रेगुलर एक्सरसाइज-रेगुलर एक्सरसाइज करके भी आप टेस्टोस्टेरोन हार्मोन बढ़ा सकते हैं। एक्सरसाइज में आप योग, हल्का दौड़ और वजन उठाना आदि शामिल कर सकते हैं।

नींद है जरूरी-रात को सही नींद आना और समय पर सोना भी टेस्टोस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने में सहायक होता है। शरीर में टेस्टोस्टेरोन सही हो, इसके लिए आपकी स्लीप साइकिल का हेल्दी होना बेहद जरूरी है। क्योंकि सही तरीके से नींद न लेने से आपको तनाव हो सकता है। जोकि आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है।

स्ट्रेस-यदि आप जरूरत से ज्यादा तनाव लेते हैं, तो यह भी शरीर में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन की कमी को बढ़ा सकता है। स्ट्रेस कम करने के लिए आप योग, मेडिटेशन व अन्य तरीकों को अपना सकते हैं। बता दें कि टेस्टोस्टेरोन हार्मोन प्रोडक्शन मेंटली खुश रहना बेहद जरूरी होता है।

दवाईयां-टेस्टोस्टेरोन संशोधक थेरेपी जैसी कुछ दवाइयां टेस्टोस्टेरोन के लेवल को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। हालांकि इस तरह की दवाओं का सेवन सिर्फ डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

वॉकिंग या रनिंग ? पेट की चर्बी कम करने के लिए बेस्ट क्या ?

बिजी लाइफ के कारण लोग अपने हेल्थ के साथ लापरवाही करने लगे हैं, जिसके कारण मोटापा अब आम समस्या हो गई है. ज्यादा चर्बी लुक्स खराब करने के साथ-साथ कई बीमारियों को भी न्योता देती है. अगर आप अपने बिजी टाइम से कुछ समय वॉकिंग या रनिंग के लिए निकालते हैं तो यह आपके फिटनेस गोल को जरूर पूरा करेगी. आइए सबसे पहले ये जानते हैं कि वॉक करना बेहतर है या दौड़नाज मेडिकल न्यूज टूडे के मुताबिक, वॉक और रन दोनों ही कार्डियो में आता है. कार्डियो हमारे फिटनेस को सुधारने के लिए बेहतरीन तरीका है. यह हमारी कैलोरी को जलाता है और वेट लॉस के लिए फैट को कम करता है. इसके अलावा यह आपके कॉलेस्ट्रॉल लेवल को भी मेंटेन करता है. हाई ब्लड शुगर, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट से संबंधी दिक्कतों के लिए कार्डियो बहुत जरूरी है. यह आपके स्लीप पैर्टन और स्ट्रेस को कम करता है. इसके अलावा यह आपके इम्यून को भी बूस्ट करता है. दोनों के ही एक जैसे हेल्थ बेनिफिट्स हैं, लेकिन कैलोरा जल्दी बर्न करने के लिए दौड़ना बेस्ट ऑप्शन है।

मैसूर पाक की तरह तैयार कीजिए ये अर्जुन पाक दिल को रखेगा टनाटन!

बीते कुछ वर्षों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. लोग अपने दिल को मजबूत रखने के लिए कई तरीके अपनाते हैं. लेकिन,

क्या आप जानते हैं कि आयुर्वेद में मैसूर पाक की तर्ज पर एक ऐसी वस्तु दी गई है जो आपके दिल को हमेशा स्वस्थ्य रखेगा. अर्जुन की छाल से बना अर्जुन क्षीर पाक एक ऐसा फॉर्मूला है जो बेहद आसानी से घर में बनाया जा सकता है.

आयुर्वेद में है खास फॉर्मूला

केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों यह खास फॉर्मूला खोज निकाला है. संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. दीपा शर्मा ने बताया कि दिल को स्वस्थ्य रखने में अर्जुन की छाल बहुत महत्वपूर्ण होता है. उन्होंने बताया कि एक खास फॉर्मूला से तैयार करने पर अर्जुन के गुण आपकी रोज की डाइट में शामिल कर सकते हैं. इसको तैयार करने के लिए 1ः4ः8 के रेशियो का ध्यान रखा जाता है.

यह है रेसिपी

डॉ. दीपा ने बताया कि 1/4 चम्मच अर्जुन की छाल के चूर्ण को आधा कप दूध और दो कप पानी में मिलाकर उबाल लें. उबालते हुए इसे आधा कर लें. उसके बाद इसे पिया जा सकता है. दिन में दो बार इसे पिया जाना चाहिए. डॉ. दीपा ने बताया कि इसके साथ ही एक हेल्थी लाइफस्टाइल भी बहुत जरुरी है. रोज सुबह व्यायाम करना चाहिए. इसके साथ ही अपनी नींद अवश्य पूरी करें. स्ट्रेस से भी दूर रहें.

ढाबा संचालक निकला हथियार और शराब तस्कर, करबाईन के साथ शराब बरामद

बक्सर (संवाददाता)।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कृष्णाब्रहम थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच में छापेमारी कर विदेशी शराब ऑटोमेटीक देशी करबाईन के साथ शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार शराब तस्कर छोटका ढकाईच के अनंत प्रधान का पुत्र रामबाबू प्रधान बताया जाता है। सोमवार को पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने प्रेसवार्ता कर बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि चौकीया गांव के सामने एनएच 922 के किनारे विकाश ढाबा पर कृष्णाब्रहम थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच के विकाश प्रधान एवं रामबाबू प्रधान दोनो पिता अनंत प्रधान के द्वारा अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक, बक्सर के द्वारा सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डुमरांव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। गठित टीम के द्वारा सूचना का सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई करते हुऐ चौकीया के सामने एनएच 922 पर स्थित

विकास ढाबा पर छापामारी किया गया। इस दौरान पुलिस बल को देखकर एक व्यक्ति द्वारा

भागने का प्रयास किया?। जिसे पुलिस बल के सहयोग से पकड़कर पुछताछ किया गया। पकड़ाये व्यक्ति के द्वारा अपना नाम रामबाबू प्रधान पिता अंनत प्रधान छोटका ढकाईच थाना कृष्णाब्रहम एवं उसने अपने आप को विकाश ढाबा का संचालक बताया। विकाश ढाबा की तलाशी लिया गया तो विकाश ढाबा मे रखे फीज में अन्य पेय पदार्थो के साथ 8 पीएम के 06 पीस-1.08लीटर अवैध शराब बरामद किया गया। वहीं गिरफ्तार रामबाबू प्रधान ने बताया भाई विकाश प्रधान के द्वारा इस ढाबा के माध्यम से अवैध शराब एवं हथियार खरीद-ब्रिकी किया जाता है और इसका स्टॉक अपने घर पर रखता है। इस दौरान पुलिस द्वारा इनके घर की तलाशी किया गया। तलाशी के क्रम में घर में रखे आलमारी से 01 देशी ऑटोमेटीक करबाईन मैगजीन सहित, 0.315 बोर का 01 जिन्दा कारतूस एवं 01 कार्टुन 08 पीएम 48 पीस कुल 8.64 लीटर बरामद किया गया। छापामारी के दौरान विकाश प्रधान भागने सफल रहा एवं इनके गिरफ्तारी हेतू छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में कृष्णाब्रहम थना में कांड संख्या 317/24 दिनांक 30.06.24 धारा-25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट एवं 30ए बिहार मद्यनिषेध दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई किया गया है।

प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को एसजेवीएन ने इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण के लिए भेजा

सीएसआर के तहत 13 युवकों गये सीआईडीसी धौलाना

बक्सर (संवाददाता)। एसजेवीएन थर्मल प्राईवेट लिमिटेड द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए सीएसआर के माध्यम से परियोजना प्रभावित क्षेत्रों से इच्छुक युवक युवतियों को सीआईडीसी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता रहा है। इसी क्रम में इस वर्ष 2024 में भी इच्छुक युवक एवं युवतियों को इलेक्ट्रिशियन विधा में सीआईडीसी धौलाना उत्तर प्रदेश के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस आशय की जानकारी देते हुए सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रश्मि कुज्जूर ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य परियोजना प्रभावित परिवारों, परियोजना प्रभावित पंचायतों एवं बक्सर क्षेत्र के युवकों युवतियों को रोजगार परक कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हे आत्मनिर्भर बनाना है। इस प्रशिक्षण उपरांत वे स्वरोजगार कर सकतें हैं अथवा प्रशिक्षण के द्वारा वर्धित तकनीकि दक्षता के आधार पर उचित रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। सीआईडीसी भी अपने माध्यम से प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रशिक्षुओं को रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है। इस सत्र के तीन माह प्रशिक्षण हेतु, 13 युवकों को सीआईडीसी धौलाना के लिए 30 जून को एसटीपीएल,चौसा के मानव संसाधन विभागाध्यक्ष बलजीत सिंह एवं सीएसआर विभाग के अधिकारियों द्वारा विदा किया गया।

अंतराष्ट्रीय तैराक कैप्टन बिजेंद्र सिंह बने बिहार के चीफ कोच, बधाइयों का लगा तांता

बक्सर (संवाददाता)।

जिले के ब्रह्मपुर प्रखंड के सपही गाँव निवासी अंतराष्ट्रीय तैराक कैप्टन बिजेंद्र सिंह को बिहार तैराकी संघ का चीफ कोच बनाया गया। संघ की ओर से राजधानी पटना स्थित जीपीओ कैम्पस के सभागार में नए पदाधिकारियों के चयन के लिए बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से कैप्टन बिजेंद्र सिंह को बिहार चीफ कोच मनोनीत किया गया।

चीफ कोच बनने पर कैप्टन बिजेंद्र सिंह को बधाई देने वालों का तांता लग गया। बधाई देने वालो में डुमराँव महाराज चन्द्रविजय सिंह,सांसद सुधाकर सिंह,डॉ रमेश सिंह,डॉ आशुतोष सिंह,डॉ वीके सिंह,सैनिक संघ अध्यक्ष रामनाथ सिंह,रेलयात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष सुधीर सिंह,भाजपा नेता चुनु सिंह सहित कई लोग शामिल हैं।

ज्ञात हो कि कैप्टन बिजेंद्र सिंह पहले भी अंतराष्ट्रीय रेफरी रह चुके है। लगातार दस सालो तक आर्मी,नेवी और एयरफोर्स का वाटर पोलो गेम में बतौर कैप्टन विश्व स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस बीच इंटरनेशनल तैराकी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर कई गोल्ड मेडल देश के नाम किये। इसी दौरान सन 1986 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित हुए अंतराष्ट्रीय तैराकी में भाग लिया और सवर्ण पदक जीतकर हिंदुस्तान का परचम लहराया। वही 15 किलोमीटर का लंग डिस्टेंस नेशनल तैराकी चैंपियनशिप में लगातार दो बार गोल्ड मेडलिस्ट रहे। जिसके बाद 1987 में सेना की ओर से विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वही 2008 में सेवानिवृत्त होने के बाद अब अपने पैतृक गाँव सपही में ग्रामीण युवाओं को तैराकी के फायदे और जरूरत के बारे में जागरूक करते हुए तैराकी का गुण फ्री में सिखाते है। उन्होंने बताया कि वे अबतक 300 से अधिक युवाओं को तैराकी सीखा चुके है उनमें से कई युवाओं का नौकरी भी हो गया है।

उन्होंने बताया कि संसाधन के अभाव होने के बावजूद वे गोकुल जलाशय में युवाओं को तैराकी सिखाते है इतना ही नहीं लगभग 14 किलोमीटर क्षेत्र में फैले गोकुल जलाशय के जीणोद्धार के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं इनका मानना है कि जलाशय में पर्यटन के साथ साथ खेल के भी अपार संभावनाएं हैं।

खबर-खास

100 एनसीसी कैडेटों की हुई बहाली, किया मार्च पास्ट

डुमरांव (संवाददाता)। राज प्लस टू हाई स्कूल में 30 बिहार बटालियन एनसीसी की बहाली के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। एनसीसी में शामिल होने के लिए छात्रों में काफी ललक देखी गई। लगभग दो सौ छात्रों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। हालांकि, चयन एक सौ छात्रों का ही करना था। परीक्षा लेने के लिए बक्सर के समादेशी पदाधिकारी कर्नल रितेश रंजन व एडम ऑफसर ले. कर्नल राम सागर मिश्र मौजूद रहे। इनके सहयोग के लिए स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्रा भी बच्चों का हौसला अफजाई कर रहे थे।

स्कूल में ट्रूप संख्या 134 व 135 दोनों को मिलाकर एक सौ एनसीसी कैडेट को बहाल करना था। लिहाजा, दोनों ट्रूप के लिए बहाली ली गई। बहाली के दौरान स्कूल के दोनों ट्रूप के अधिकारी संजय रंजन सिन्हा व अभयानंद प्रजापति मौजूद रहे। दोनों ट्रुपों के लिए 50-50 कैडेटों की भर्ती लेनी थी। लिहाजा, दोनों की लिखित परीक्षा एक साथ ली गई। ट्रूप में भर्ती के लिए बच्चों का हौसला देख अधिकारी भी खुश थे। जो परीक्षा में पास नहीं हुए उन्हें आगे की तैयारी के लिए उत्प्रेरित किया गया। चयन प्रक्रिया में सूबेदार महेश प्रसाद, सूबेदार व हवलदार राहुल और बलविंदर की सराहनीय भूमिका रही।

तीन सदस्यीय जांच टीम के समक्ष हाजिर होकर साक्ष्य दिया

बक्सर (संवाददाता)। 'जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम अंतर्गत बक्सर नगर परिषद की पूर्व ईओ प्रेम स्वरूपम के खिलाफ दायर परिवाद पर मंगलवार को डीडीसी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच अधिकारियों के समक्ष युवा नेता आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह अपना पक्ष रखते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया। बताया कि बक्सर नगर परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार, होल्डिंग टैक्स वसूलने वाली निजी कंपनी (स्पैरो) की गतिविधियों की जांच और नाली-नाला उड़ाही के नाम पर खानापूर्ति कर राशि उगाही इत्यादि से जुड़े मामलों की शिकायत को लेकर उन्होंने बीते दिनों मुख्यमंत्री जनता दरबार में तत्कालीन ईओ प्रेम रूवस्पम के खिलाफ परिवाद समर्पित किया था। जिसके आलोक में तीन सदस्यीय जांच टीम के समक्ष इन विभिन्न मुद्दों पर संबंधित साक्ष्य सहित अपना पक्ष रखा।

रामजी सिंह ने बताया कि जांच टीम के अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान संबंधित आरोपों से जुड़े कागजात सौंपा गया। उन्होंने शिकायत में इस बात का जिक्र किया है कि वर्तमान में नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत होल्डिंग टैक्स वसूली करने वाली स्पैरो कंपनी पर पूर्व में पटना नगर निगम द्वारा फर्जीवाड़ा का प्राथमिकी कराई गई थी। इतना हीं नहीं छपरा व कटिहार के नगर निकाय में फर्जी तरीके से कार्यों को कराने को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। स्पैरो कंपनी के इस तरह के कार्यशैली व रवैये की जानकारी होने के बावजूद तत्कालीन ईओ प्रेम स्वरूपम द्वारा बक्सर नप क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स वसूली की जिम्मेवारी दे दी गई। जिसका संबंधित साक्ष्य सहित तमाम दस्तावेज जांच टीम के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके अलावा विभागीय कार्यों की आड़ में व्याप्त भ्रष्टाचार के सबूत भी जांच टीम को दी गई।

ऑटो के धक्के से पुरुषोत्तमपुर में बच्चे की मौत

इटाढ़ी (संवाददाता)। इटाढ़ी-धनसोई मुख्यमार्ग पर पुरुषोत्तमपुर गांव में ऑटो के धक्के से एक साढ़े तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम यह सड़क दुर्घटना तब हुई। जब सड़क किनारे अपने घर के सामने बच्चा खेल रहा था। तभी, एक ऑटो ने बच्चे को टक्कर मार दी। धक्का लगते ही आसपास खड़े ग्रामीणों ने ऑटो को पकड़ कर इसकी सूचना थाने को दी। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच ऑटो को जब्त कर बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया। मृतक गांव के नमो राम का पुत्र संदीप कुमार है। समाचार भेजे जाने तक परिजनों ने एफआईआर के लिए कोई आवेदन नहीं दिया था।

जमीन विवाद में चले लाठी-डंडे, आधा दर्जन जख्मी

इटाढ़ी (संवाददाता)। बसांव खुर्द गांव के गजरहीं डेरा में जमीन विवाद को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच जमकर लाठियां चटकीं। जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए। एक पक्ष के बलिराम चौहान पिता बेचन चौहान ने 20 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा है कि शाम को अपने घर के बगल मैं अपने चाचा पारस चौहान के साथ मछली बेच रहा था। इसी क्रम में लाठी-डंडे, रामी, कट्टा आदि हथियार से लैस होकर आरोपितों ने दुकान और घर पर हमला बोल दिया। जिसमें मेरे चाचा चाची, पिताजी सहित घर के सभी लोग जख्मी हो गए।

किसी का सिर फूटा तो किसी को गहरी चोट आई। वहीं, दूसरे पक्ष के लोगों ने 10 लोगों को नामजद करते हुए बताया कि पूर्व से ही आरोपितों के साथ जमीन विवाद चल रहा है। जिसमें अंचल कार्यालय द्वारा जमीन की मापी भी कर दी गई है। लेकिन, आरोपी मापी का निशान मिटा कर उस पर कब्जा कर लिए हैं। जब उनसे जमीन से कब्जा हटाने की बात कही गई तो उन लोगों ने मारपीट की। सभी ज़ख्मियों का प्राथमिक इलाज स्थानीय सीएचसी में कराया गया। दोनों पक्षों से प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी है।

पद पर आने के बाद ईमानदारी से कार्य नहीं करते पदाधिकारी

बक्सर (संवाददाता)। सरकारी नौकरी पाने के लिए बहुत लोग प्रयास करते है। जिन्हें सफलता मिलती है। वह पद पर आने के बाद ईमानदारी से कार्य नहीं करते है। यह बहुत दु:ख की बात होती है। जिस पद पर आप आसीन हुए है कठिन परीक्षा पास की है। वहां पहुंचने के बाद ईमानदारी से कार्य करें। उक्त बातें नगर भवन में आयोजित रिटायर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल द्विवेदी ने कहीं। उनका कहना था कि जनता दूर-दराज से आपसे अपना काम कराने के लिए आती है। उसका दिन भर का समय लग जाता है। यदि हम ईमानदारी से कार्य करें तो पीड़ित का कार्य महज पांच से दस मिनट का होता है। परंतु अधिकत्तर टाल-मटोल करते है। यह उचित नहीं है। कहा कि जो भी पीड़ित आपसे मिलने के लिए आप उससे अच्छे पेश आये। अपने अधिकारीपन का रौब नहीं दिखाये। बता दें कि अनिल कुमार द्विवेदी 30 जून को डीईओ पद से सेवानिवृत हो गये थे। उनके रिटायरमेंट पर एक जुलाई को शहर के नगर भवन में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें अधिकारी सहित काफी संख्या में शिक्षक उपस्थित हुए थे। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि डीईओ पर अनिल कुमार द्विवेदी ने बेहद शालीन तरीके से कार्य किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480